Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 144
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-मंगलवार ,23 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 विपक्ष के नेताओं को सद्बुद्धि दें भगवान: केशव
4 भारत में कृत्रिम मेधा का उपयोग रोजगारोन्मुख (एम्प्लॉयमेंट-ओरिएंटेड) होना चाहिए
5 कांतारा चैप्टर 1 का ट्रेलर देखकर फैंस ने दिए ऐसे रिएक्शन, बोले- यह फिल्म नहीं

सीएम योगी का दावा

जीएसटी सुधारों से मिलेगी अर्थव्यवस्था को नई गति, बढ़ेगा रोजगार : सीएम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को अर्थव्यवस्था के लिए नई गति और आम आदमी के लिए 'त्योहारों का तोहफा' बताया है। इन सुधारों के तहत जीवन रक्षक दवाओं को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है, जबकि अन्य दवाएं, किसानों के लिए उत्पाद और छात्रों की स्टेशनरी पर जीएसटी घटाकर 0-5% कर दिया गया है, जिससे खपत और उत्पादन बढ़ने से रोजगार सृजन की उम्मीद है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अगली पीढ़ी के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के कार्यान्वयन की सराहना करते हुए इसे देश के लिए त्योहारों का तोहफा बताया। सीएम योगी ने कहा कि आज शारदीय नवरात्रि का पहला दिन है। और इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी में सबसे बड़ा सुधार करके पूरे देश को तोहफा दिया... जीवन रक्षक दवाओं को जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है। अन्य सभी दवाओं पर जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया है... किसानों के लिए जीएसटी घटाकर 5% या 0% कर दिया गया है। छात्रों की स्टेशनरी पर भी जीएसटी घटाकर 0% कर दिया गया है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और आम उपभोक्ता त्योहारों को बड़े उत्साह से मनाएगा। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा, जब खपत बढ़ेगी, तो उत्पादन भी बढ़ेगा और नए रोजगार भी सृजित होंगे... हमने उपभोक्ताओं, व्यापारियों और अन्य लोगों से संवाद स्थापित किया और जागरूकता अभियान चलाए, और हर जगह एक ही नारा गूंज रहा है - 'घटती जीएसटी, मिला उपहार, धन्यबाद मोदी सरकार'। हर नागरिक और उपभोक्ता अपने त्योहार मना रहे हैं, प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त कर रहे हैं... इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश भर में लागू हुए अगली पीढ़ी के वस्तु एवं सेवा कर सुधारों की सराहना की और इसे त्योहारों के मौसम में लोगों को दिया गया दोहरा तोहफा बताया। ईटानगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज से अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू हो गए हैं और जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो गया है। त्योहारों के अवसर पर लोगों को दोहरा तोहफा मिला है। इस कार्यक्रम के दौरान, पीएम मोदी ने 5,100 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के सियोम उप-बेसिन में विकसित होने वाली हीओ जल विद्युत परियोजना (240 मेगावाट) और टाटो-कजल विद्युत परियोजना (186 मेगावाट) की आधारशिला रखी। उन्होंने तवांग में एक अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर और 1,290 करोड़ रुपये से अधिक की कई प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जो कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, अग्नि सुरक्षा और कामकाजी महिलाओं के छात्रावासों सहित विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेंगी। इस महीने की शुरूआत में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक के दौरान वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में सुधार को मंजूरी दी गई थी। पिछली चार-स्लैब प्रणाली को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की सुव्यवस्थित दो-स्लैब व्यवस्था से बदल दिया गया है।

मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 5,100 करोड़ रुपये से अधिक की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरूआत की

अरुणाचल प्रदेश। प्रधानमंत्री ने 1290 करोड़ रुपये से अधिक की कई अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी शुरूआत की, जो संपर्क, स्वास्थ्य और अग्नि सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अरुणाचल प्रदेश में 5,125.37 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का अनावरण किया। ईटानगर के इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित एक समारोह में डिजिटल माध्यम से प्रधानमंत्री ने शि-योमी जिले में दो प्रमुख पनबिजली परियोजनाओं और तवांग में एक सम्मलेन केंद्र की की आधारशिला रखी।

अधिकारियों ने बताया कि 186 मेगावाट क्षमता वाली तातो-1 परियोजना का विकास अरुणाचल प्रदेश सरकार और नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनईईपीसीओ) द्वारा संयुक्त रूप से 1,750 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इससे सालाना लगभग 802 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 240 मेगावाट की हीओ परियोजना का विकास भी राज्य सरकार और एनईईपीसीओ द्वारा 1,939 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा जिससे हर साल करीब 1000 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन की उम्मीद है। मोदी ने तवांग में एक सम्मेलन केंद्र की आधारशिला भी रखी, जिसका निर्माण पीएम-डिवाइन योजना के तहत 145.37 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 1500 से अधिक लोगों की क्षमता वाले इस केंद्र वैश्विक मानकों पर तैयार किया जाएगा और यह क्षेत्र की पर्यटन व सांस्कृतिक क्षमता को बढ़ावा देगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने 1290 करोड़ रुपये से अधिक की कई अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की भी शुरूआत की, जो संपर्क, स्वास्थ्य और अग्नि सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए हैं। राज्यपाल के.टी. परनाइक, मुख्यमंत्री पेमा खांडू और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अमरावती से बदलेगा भारत का तकनीकी भविष्य: सीएम नायडू

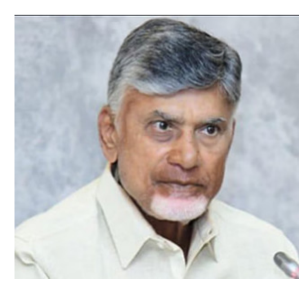

अमरावती । आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि भविष्य में केवल भारत ही दुनिया को सेवाएं दे सकेगा। उन्होंने ई-गवर्नेंस सम्मेलन में बताया कि यूरोप और जापान जैसे देश जनसंख्या संकट से जूझ रहे हैं, जबकि भारत के पास 143 करोड़ की आबादी और बड़ा बाजार है। नायडू ने आंध्र प्रदेश में क्वांटम कंप्यूटर उत्पादन की घोषणा की और विश्वास जताया कि भारत 2047 तक नंबर वन देश बनेगा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि भविष्य अलग होगा और केवल भारत ही वैश्विक समुदाय को सेवाएं दे सकेगा। उन्होंने यह बात विशाखापट्टनम में आयोजित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। नायडू ने बताया कि कई देशों के पास तकनीक तो है लेकिन वहां जनसंख्या संकट के कारण लोग नहीं हैं, जबकि भारत के पास सबसे बड़ी आबादी है जो उसकी ताकत बनेगी। नायडू ने कहा कि यूरोप, जापान और कई अन्य देश तेजी से वृद्धावस्था संकट से जूझ रहे हैं। उनके पास नर्स, डॉक्टर और तकनीक चलाने वाले लोग नहीं हैं।

शिवराज का आया बयान

किसानों के लिए खुशखबरी ! जीएसटी से ट्रैक्टर-हार्वेस्टर पर लाखों की बचत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई जीएसटी दरों को 'बचत उत्सव' बताते हुए सराहना की, जिससे आम आदमी के लिए दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, कृषि उपकरण और कपड़े सस्ते हो गए हैं। उन्होंने इसे मोदी सरकार का उपहार बताया, जिससे उपभोक्ताओं और किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के कार्यान्वयन की सराहना करते हुए इसे लोगों के लिए बचत उत्सव बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन बदलावों से दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, कृषि उपकरण और कपड़े सस्ते हो गए हैं, जिसका सीधा लाभ आम आदमी को मिल रहा है। एएनआई से बात करते हुए, चौहान ने कहा, नवरात्रि में देवी माँ अपना आशीर्वाद बरसा रही हैं। लेकिन मोदी सरकार ने उपहारों की बौछार कर दी है। आम आदमी द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले दैनिक उपयोग के उत्पाद आज से सस्ते हो गए हैं। कृषि उत्पाद सस्ते हैं। खाद्य उत्पाद सस्ते हैं। कपड़े कम महंगे हैं। यह 'बचत उत्सव' है। लोग पैसे बचाएँगे और उसका उपयोग कहीं और करेंगे। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नई जीएसटी दरों से किसानों को बड़ी बचत होगी और छोटे ट्रैक्टरों पर 23,000 रुपये, बड़े ट्रैक्टरों पर 63,000 रुपये और कंबाइन हार्वेस्टर पर 1.87 लाख रुपये तक की बचत होगी। चौहान ने इस सुधार के लाभों के लिए लोगों को बधाई दी और जागरूकता को बेहद जरूरी बताया।

केजरीवाल का पीएम पर तीखा तंज: क्या आप खुद छोड़ेंगे विदेशी सामान?

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने पीएम मोदी के 'स्वदेशी' आह्वान पर कड़ा तंज कसते हुए पूछा कि क्या वे खुद विदेशी हवाई जहाज और दैनिक उपयोग के सभी विदेशी सामान छोड़ देंगे। आप नेता ने अमेरिकी कंपनियों पर कार्रवाई और पीएम मोदी के पाखंड को उजागर करते हुए कहा कि उपदेशों के बजाय जनता अपने प्रधानमंत्री से कार्रवाई की उम्मीद करती है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद उन पर तंज कसा और कहा कि जनता से बात करने से पहले उन्हें स्वदेशी का इस्तेमाल करना चाहिए। आप नेता ने एक पोस्ट शेयर करते हुए पीएम मोदी से पूछा कि क्या वह कथित तौर पर अपने द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले विदेशी सामान का इस्तेमाल छोड़ देंगे। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री जी, आप चाहते हैं कि जनता स्वदेशी का इस्तेमाल करे। क्या आप खुद स्वदेशी का इस्तेमाल शुरू करेंगे? क्या आप उस विदेशी हवाई जहाज को छोड़ देंगे जिसमें आप रोज घूमते हैं? क्या आप दिन भर इस्तेमाल होने वाले सभी विदेशी सामान छोड़ देंगे? केजरीवाल ने भारत में काम कर रही अमेरिकी कंपनियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता प्रधानमंत्री से कार्रवाई की उम्मीद करती है। केजरीवाल ने आगे कहा, क्या आप भारत में काम कर रही चार अमेरिकी कंपनियों को बंद कर देंगे? ट्रंप हर दिन भारत और भारतीयों का अपमान कर रहे हैं। क्या आप भी कुछ नहीं करेंगे? लोग अपने प्रधानमंत्री से कार्रवाई की उम्मीद करते हैं, उपदेशों की नहीं। इससे पहले रविवार को, आप सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला और स्वदेशी उत्पादों की वकालत और जीएसटी सुधारों से निपटने के उनके तरीके की आलोचना की। उनकी जीवनशैली में पाखंड का आरोप लगाते हुए, आप सांसद ने एएनआई से कहा, प्रधानमंत्री मोदी इटली का चश्मा पहनते हैं, स्विट्जरलैंड की घड़ी पहनते हैं, अमेरिका का फोन इस्तेमाल करते हैं, जर्मनी की कारें इस्तेमाल करते हैं और विदेशी ब्रांडों से लदे हुए हैं, फिर भी वह लोगों से स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने की अपील करते हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि भारत अमेरिका और चीन से करोड़ों रुपये का सामान आयात करता रहता है।

बिहार में महागठबंधन की बिसात बिछाएगी कांग्रेस, सीडब्ल्यूसी बैठक में तैयार होगी रणनीति

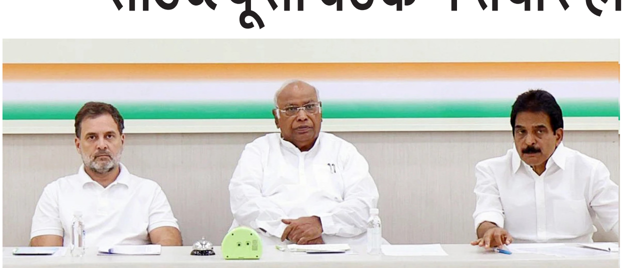

बिहार। कांग्रेस 24 सितंबर को बिहार में अपनी कार्यसमिति (CWC) की बैठक कर रही है, जहाँ कथित 'वोट चोरी', बढ़ती अपराध दर, बेरोजगारी और महंगाई जैसे प्रमुख राज्य व राष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा होगी। यह बैठक आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी की रणनीति तैयार करने और केंद्र सरकार पर हमला बोलने के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस पार्टी 24 सितंबर (बुधवार) को चुनावी राज्य बिहार में अपनी कार्यसमिति की बैठक आयोजित करने वाली है। पार्टी पटना स्थित अपने राज्य पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक आयोजित करेगी। बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष राजेश राम, पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, राज्य विधायक दल के नेता शकील अहमद खान सहित कई नेताओं के शामिल होने की संभावना है। पार्टी के राज्य प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीडब्ल्यूसी बैठक की जानकारी दी और बताया कि पार्टी कथित 'वोट चोरी' और राज्य में बढ़ते अपराध, बेरोजगारी, महंगाई जैसे कई मुद्दों पर चर्चा करने वाली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिहार में बिहार की बात तो करेगी ही, साथ ही राज्य में राष्ट्र की भी बात करेगी।

मोरक्को में बोले राजनाथ सिंह

एक दिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर कहेगा- मैं भी भारत हूं.

रबात (मोरक्को): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर बिना किसी युद्ध के भारत में खुद शामिल होगा, क्योंकि वहां के लोग आजादी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने मोरक्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ रही है और यह दुनिया के स्टार्टअप्स का केंद्र बन चुका है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को बिना किसी आक्रामक कदम के वापस हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि अब वहां के लोग खुद ही मौजूदा शासन से आजादी की मांग कर रहे हैं। राजनाथ सिंह मोरक्को में भारतीय समुदाय को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा, पीओके तो अपने आप हमारा हो जाएगा। आपने सुना होगा कि वहां अब आवाजें उठ रही हैं, नारे लग रहे हैं। रक्षा मंत्री ने बताया कि उन्होंने पांच साल पहले भी ऐसी ही बात कही थी, जब वह जम्मू-कश्मीर में भारतीय सेना के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं पांच साल पहले कश्मीर घाटी में सेना के एक कार्यक्रम में बोल रहा था। तब भी मैंने कहा था कि हमें पीओके पर हमला करके कब्जा करने की जरूरत नहीं होगी। वह तो पहले से हमारा है। पीओके खुद कहेगा- मैं भी भारत हूं। वो दिन जरूर आएगा। राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कई लोग सरकार पर आरोप लगा रहे हैं कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पीओके पर कब्जा करने का मौका गंवा दिया है। यह सैन्य अभियान सात मई को शुरू हुआ था, जिसमें भारत ने कई पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। इसके अलावा, पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कई सैन्य ठिकानों को तबाह किया गया था। यहीं नहीं पाकिस्तानी के कई एयरबेस भी ध्वस्त किए गए थे। इसके बाद विपक्ष के कई नेताओं ने सरकार की आलोचना की थी कि जब भारत को संघर्ष में बढ़त मिली हुई थी, तब संघर्षविराम को क्यों स्वीकार किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इन दिनों दो दिन के मोरक्को दौरे पर हैं, जहां वह टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की नई निर्माण इकाई का शुभारंभ करेंगे। इस इकाई में आठ पहियों वाला बख्तरबंद सैन्य वाहन तैयार किया जाएगा। यह अफ्रीका में भारत की पहली रक्षा निर्माण इकाई होगी।

संछिप्त खबरे

मुंबई में दुर्गा प्रतिमा खंडित, गरमाया माहौल!

मुंबई। मुंबई में देवी दुर्गा की एक प्रतिमा कथित तौर पर खंडित किये जाने को लेकर दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुंबई के मानखुर्द में देवी दुर्गा की प्रतिमा कथित तौर पर खंडित होने के बाद दो समूहों में झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप तनाव फैल गया और पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया। यह घटना नवरात्रि की पूर्व संध्या पर हुई, जब एक समूह ने प्रतिमा खंडित पाई और दूसरे को इसका जिम्मेदार ठहराया, जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई हुई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है और मामले की गहन जांच जारी है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि मुंबई में देवी दुर्गा की एक मूर्ति को कथित तौर पर अपवित्र किए जाने के बाद तनाव बढ़ गया, जिसके बाद दो समूहों के बीच झड़प हो गई। उन्होंने बताया कि रविवार रात मानखुर्द इलाके में हुई इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मुंबई में दुर्गा प्रतिमा खंडित! तनाव फैला पुलिस के अनुसार, मानखुर्द पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नवरात्र की पूर्व संध्या पर देवी की प्रतिमा को एक संकरी गली से ले जाया जा रहा था, तभी कुछ लोगों ने पाया कि प्रतिमा खंडित है तथा इसके लिए दूसरे समूह को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके साथ बहस शुरू कर दी।

ग्रेटर नोएडा में टैंकर से टकराई मोटरसाइकिल तीन छात्रों की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में पानी के टैंकर से मोटरसाइकिल की टक्कर में दोपहिया वाहन पर सवार तीन छात्रों की मौत हो गई। पुलिस के एक प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि मृतकों की पहचान गाजियाबाद की पंचवटी कॉलोनी निवासी स्वयं सागर (19), गाजीपुर जिले के गांव खुदुरा निवासी कुश (21) और बरेली जिले की सैटेलाइट कॉलोनी निवासी समर्थ पुंडीर (18) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि यह हादसा रविवार रात बीटा-2 थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के चुहड़पुर अंडरपास के निकट उस समय हुआ जब गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में पढ़ने वाले ये तीनों छात्र भोजन लेने के लिए मोटरसाइकिल से पूर्वांचल सोसाइटी के पास एक ढाबे पर जा रहे थे तभी पेड़ों को पानी दे रहे एक टैंकर से उनकी मोटरसाइकिल टकरा गई। प्रवक्ता के अनुसार, हादसे में तीनों छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने स्वयं सागर और कुश को मृत घोषित कर दिया।

जामिया नगर में मिला वृद्ध महिला का क्षतविक्षत शव

नईदिल्ली। दिल्ली के जामिया नगर स्थित एक अपार्टमेंट में वृद्ध महिला का क्षतविक्षत शव बरामद हुआ जबकि उनके पति और जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त संगीत शिक्षक गंभीर हालत में मिले, जिन्हें बचा लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि करीब 50 वर्ष का उनका बेटा इमरान उर्फ शैली भी घर में ही था। इमरान मानसिक रूप से बीमार है। वह अंदर से कुछ बोल रहा था लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। उन्होंने बताया कि पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को 21 सितंबर की रात 11.10 बजे एक फोन कॉल के जरिए जामिया नगर स्थित गफ्फार मंजिल में एक शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस के अनुसार, फोन करने वाले ने बताया कि उसकी बहन और बहनोई कोई जवाब नहीं दे रहे हैं ।

पूर्वोत्तर रेलवे पर राजभाषा सप्ताह समारोह-2025 का आयोजन

गोरखपुर: पूर्वोत्तर रेलवे पर राजभाषा सप्ताह समारोह-2025 का आयोजन 18 से 23 सितम्बर, 2025 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में 22 सितम्बर, 2025 को बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केन्द्र,गोरखपुर में पूर्वाह्न में रेल कर्मचारियों तथा अपराह्न में रेलवे अधिकारी क्लब,गोरखपुर में रेलवे अधिकारियों के लिये हिन्दी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल ने उपस्थित होकर प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी मोहम्मद याकूब शेख ने कहा कि इस प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। इस प्रकार की प्रतियोगितायें राजभाषा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर राजभाषा अधिकारी श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने कहा कि राजभाषा सप्ताह समारोह के दौरान अनेक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किये जा रहे हैं। क्विज प्रतियोगिताओं का संचालन वरिष्ठ अनुवादक/प्रभारी राजभाषा श्रीमती अनामिका सिंह ने किया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग के रेलकर्मी उपस्थित थे। इसी क्रम में 23 सितम्बर,2025 को महाप्रबन्धक,पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य में रेलवे आडिटोरियम,गोरखपुर में सांय 04.00 बजे कवि सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा।

नवरात्रि के पहले दिन विंध्याचल धाम में भक्तों का रेला, मां के जयघोष से गूंजा देवी दरबार

मिजार्पुर। विंध्याचल धाम में सोमवार की सुबह से भक्तों का तांता लगा है। मां की एक झलक पाने को श्रद्धालु बेताब दिखे। भोर में मंगला आरती होने के बाद ही माता के दर्शन- पूजन का सिलसिला शुरू हुआ। जगत कल्याणी मां विंध्यवासिनी की चौखट पर शीश नवाने सोमवार को श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। नवरात्र के प्रथम दिन देवी धाम पहुंचे आस्थावानों ने दर्शन पूजन कर मंगल कामना की। भोर में तीन बजे दिव्य मंगला आरती और भव्य श्रृंगार पूजन के बाद विंध्यवासिनी माता के अलौकिक स्वरूप का दर्शन कर भक्त निहाल हो उठे।

शहर के सभी देवी मंदिरों में सुबह से आदिशक्ति जगत जननी की जय जयकार गूंज रही है, जो अनवरत देर रात तक जारी रहेगी। शारदीय नवरात्र मेला के प्रथम दिन देश के कोने- कोने से आए भक्तों ने देवी दरबार में मत्था टेका। गंगा स्नान कर घंटों कतार में खड़े होने के बाद धाम पहुंचे श्रद्धालु माता के दिव्य स्वरूप का दर्शन कर निहाल हो उठे। विंध्य दरबार में नर नारी और बच्चे माता की भक्ति में तल्लीन नजर आए। मंदिर पहुंचे श्रद्धालु माता की एक झलक पाने को बेताब दिखे। घंटा, घड़ियाल, शंख के साथ बजते नगाड़े की धुन के बीच पहाड़वाली के जयघोष से संपूर्ण मंदिर परिसर गुंजायमान हो रहा था। लेकिन मन में मां की प्रति उनकी आस्था चरम पर रही। धाम की छत पर जगह- जगह आसन पर बैठे साधकों का पूजन अनुष्ठान अनवरत चलता रहा वही अष्टभुजा पहाड़ पर भी दूरदराज से आए संत महात्मा और साधक विविध मंत्रों बीच आदिशक्ति के पूजन अनुष्ठान में तन्मयता से तल्लीन नजर आए। त्रिकोण परिक्रमा पथ पर विराजमान महाकाली और मां अष्टभुजी के दरबार में भी सुबह से दर्शन पूजन का सिलसिला अनवरत चल रहा है। गुड़हल, कमल और गुलाब के पुष्पों से किया गया देवी मां का भव्य श्रृंगार का दर्शन कर श्रद्धालु विभोर हो उठे।

रेलवे प्रशासन द्वारा दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों में यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05017/05018

मऊ-सूरत-मऊ वाया गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों में यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05017/05018 मऊ-सूरत-मऊ वाया गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन मऊ से 27 सितम्बर से 01 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को तथा सूरत से 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05017 मऊ-सूरत साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 27 सितम्बर से 01 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को मऊ से 05.30 बजे प्रस्थान कर बेलथरा रोड से 06.17 बजे, सलेमपुर से 06.42 बजे, भटनी से 07.05 बजे, देवरिया सदर से 07.30 बजे, गोरखपुर से 09.30 बजे, खलीलाबाद से 10.10 बजे, बस्ती से 10.40 बजे, गोंडा से 12.00 बजे, बाराबंकी से 13.27 बजे, बादशाहनगर से 14.02 बजे, ऐशबाग से 14.40 बजे, कानपुर सेंट्रल से 16.10 बजे, टूण्डला से 19.10 बजे, ईदगाह आगरा से 20.20 बजे, बयाना से 22.05 बजे, गंगापुर सिटी से 23.00 बजे, दूसरे दिन कोटा से 01.25 बजे, भवानी मंडी से 02.15 बजे, शामगढ़ से 02.40 बजे, नागदा से 04.30 बजे, रतलाम से 06.25 बजे तथा वडोदरा से 10.30 बजे छूटकर सूरत 12.15 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, 05018 सूरत-मऊ साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक रविवार को सूरत से 15.05 बजे प्रस्थान कर वडोदरा 16.40 बजे, रतलाम से 21.40 बजे, नागदा से 22.42 बजे, शामगढ़ से 23.40 बजे, भवानी मंडी से 23.55 बजे, दूसरे दिन कोटा से 01.25 बजे, गंगापुर सिटी से 03.30 बजे, बयाना से 04.30 बजे, ईदगाह आगरा से 07.05 बजे, टूण्डला से 08.15 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.40 बजे, ऐशबाग से 14.15 बजे, बादशाहनगर से 14.47 बजे, बाराबंकी से 15.22 बजे, गोण्डा से 17.00 बजे, बस्ती से 18.20 बजे, खलीलाबाद से 18.47 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, देवरिया सदर से 20.35 बजे, भटनी से 21.00 बजे, सलेमपुर से 21.22 बजे तथा बेलथरा रोड से 21.47 बजे छूटकर मऊ 22.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में के एस.एल.आर.डी. के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06, शयनयान श्रेणी के 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये

गोरखपुर: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत छठवें दिन 22 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये एवं स्टेशनों पर सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतिक्षालय, कार्यालयों तथा ट्रैक के किनारों की सफाई की गई एवं स्क्रैप मैटेरियल से विभिन्न प्रकार की कलाकृतियाँ बनायी गयी। 22 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर लखनऊ जं., गोरखपुर, बस्ती, गोण्डा, खलीलाबाद, ऐशबाग स्टेशनों पर रेलवे प्लेटफार्म, रेल परिसरों, कार्यालयों एवं रेलवे ट्रैकों की सफाई की गयी। पर्यावरण संरक्षण हेतु गोण्डा रेलवे कालोनी में चिन्हित स्थानों पर पौधारोपण का कार्य किया गया। बस्ती रेलवे स्टेशन पर रेलकर्मियों एवं यात्रियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गयी। लखनऊ जं0 पर स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा फूड स्टालों का निरीक्षण कर खाने-पीने वाली वस्तुओ को स्वच्छ बनाये रखने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये। स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु डस्टबिन का प्रावधान किया गया। वाराणसी मंडल पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत आजमगढ़, बलिया, बनारस, वाराणसी सिटी, गाजीपुर सिटी, भटनी, छपरा, सीवान, देवरिया सदर, मऊ एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाकर कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। इस दौरान वाराणसी जं0 पर स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा वाटर बूथ पर पानी की गुणवत्ता की जाँच एवं फूड स्टालों का निरीक्षण किया गया तथा खाने-पीने वाली वस्तुओं को स्वच्छ बनाये रखने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये। पर्यावरण संरक्षण हेतु चिन्हित स्थानों पर पौधारोपण किया गया। स्टेशनों पर कार्यरत अनुबन्ध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से एक सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई। इज्जतनगर मंडल पर यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में स्क्रैप मैटेरियल और अपशिष्ट पदार्थो को रचनात्मक रूप से सजाकर विभिन्न प्रकार की कलाकृतियाँ बनायी गयी, जो न केवल कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया बल्कि री-साईक्लिंग और पर्यावरण अपशिष्ट को कम करने के महत्व को दिया। प्रमुख स्टेशनों पर प्लस्टिक के उपयोग को कम करने हेतु जागरूक करने के लिए यात्रियों एवं कर्मचारियों को 350 जूट के थैलों का वितरण किया गया। सुखे एवं गीले कचड़े के पृथक्कीकरण हेतु स्टेशनों पर अतिरिक्त डस्टबिन का प्रावधान किया गया तथा ट्रैक के दोनो किनारों की सफाई की गयी। स्टेशनों पर कार्यरत अनुबन्ध के कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों के साथ स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से एक सार्वजनिक जागरूकता रैली निकाली गई।

नॉन-इंटरलॉक एवं नॉन-इंटरलॉक कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित गाड़ियों की आंशिक बहाली की गई है

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु मूलभूत ढ़ाँचे में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन की कमीशनिंग तथा गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण की कमीशनिंग के परिप्रेक्ष्य में प्री नॉन-इंटरलॉक एवं नॉन-इंटरलॉक कार्य हेतु ब्लॉक दिये जाने के कारण पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित गाड़ियों की आंशिक बहाली की गई है, जिससे नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी तथा पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित निम्नलिखित गाड़ियों के संचलन को बहाल कर दिया गया है। संचलन आंशिक बहाल शॉर्ट ओरिजिनेशन/शॉर्ट टर्मिनेशन- पूर्व में 22 से 27 सितम्बर, 2025 तक निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित 15082 गोमती नगर-गोरखपुर एक्सप्रेस अब 23 से 27 सितम्बर, 2025 तक आनन्दनगर स्टेशन पर यात्रा समाप्त करेगी तथा आनन्दनगर-गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी। पूर्व में 22 से 27 सितम्बर, 2025 तक निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित 15081 गोरखपुर-गोमती नगर एक्सप्रेस अब 23 से 27 सितम्बर, 2025 तक आनन्दनगर स्टेशन से चलाई जायेगी तथा गोरखपुर-आनन्दनगर के मध्य निरस्त रहेगी। पूर्व में 23 से 26 सितम्बर, 2025 तक निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित 05131 गोरखपुर-बहराइच विशेष गाड़ी अब 23 से 26 सितम्बर, 2025 तक मानीराम स्टेशन से चलाई जायेगी तथा गोरखपुर-मानीराम के मध्य निरस्त रहेगी। पूर्व में 23 से 26 सितम्बर, 2025 तक निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित 05132 बहराइच-गोरखपुर विशेष गाड़ी अब 23 से 26 सितम्बर, 2025 तक मानीराम स्टेशन पर यात्रा समाप्त करेगी तथा मानीराम-गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी। 05131/05132 मानीराम-बहराइच-मानीराम विशेष गाड़ी में 23 से 26 सितम्बर, 2025 तक सामान्य द्वितीय श्रेणी के 10 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 12 कोचों के साथ चलाई जायेगी। पूर्व में 22 से 26 सितम्बर, 2025 तक शार्ट ओरिजिनेट हेतु अधिसूचित 15009 गोरखपुर-पीलीभीत एक्सप्रेस अब 23 से 27 सितम्बर, 2025 तक गोमती नगर स्टेशन से चलाई जायेगी तथा गोरखपुर-गोमती नगर के मध्य निरस्त रहेगी। पूर्व में 23 से 28 सितम्बर, 2025 तक शार्ट टर्मिनेट हेतु अधिसूचित 15010 पीलीभीत-गोरखपुर एक्सप्रेस अब 22 से 26 सितम्बर, 2025 तक गोमती नगर स्टेशन पर यात्रा समाप्त करेगी तथा गोमती नगर-गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी। पूर्व में निरस्तीकरण हेतु अधिसूचित निम्नलिखित गाड़ियों के संचलन को बहाल कर दिया गया है। ये गाड़ियाँ पूर्ववत चलाई जायेंगी। संचलन बहाल- गोरखपुर से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12555 गोरखपुर-बठिण्डा एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। बठिण्डा से 28 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12556 बठिण्डा-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। गोरखपुर से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12571 गोरखपुर-आनन्द विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। आनन्द विहार टर्मिनल से 28 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 12572 आनन्द विहार टर्मिनल-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। गोरखपुर से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 22537 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 29 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15017 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। लखनऊ जं. एवं पाटलिपुत्र से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15034/15033 लखनऊ जं.-पाटलिपुत्र-लखनऊ जं. एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। राँची से 26 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 18629 राँची-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। गोरखपुर से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 18630 गोरखपुर-राँची एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। वाराणसी सिटी से 26 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15132 वाराणसी सिटी-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। गोरखपुर से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15131 गोरखपुर-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस का संचलन बहाल कर दिया गया है। गोरखपुर एवं बहराइच से 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 05131/05132 गोरखपुर-बहराइच-गोरखपुर विशेष गाड़ी का संचलन बहाल कर दिया गया है।

गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 20 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीवाली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 05047/05048 बनारस-कोलकाता-बनारस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन बनारस से 23 सितम्बर से 04 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा कोलकाता से 24 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को 07 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05047 बनारस-कोलकाता साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 23 सितम्बर से 04 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को बनारस से 10.45 बजे प्रस्थान कर वाराणसी जं. से 11.00 बजे, औंड़िहार से 11.50 बजे, गाजीपुर सिटी से 12.40 बजे, बलिया से 13.40 बजे, रेवती से 14.18 बजे, सुरेमनपुर से 14.34 बजे, छपरा से 15.10 बजे, दिघवारा से 15.44 बजे, सोनपुर से 16.10 बजे, हाजीपुर से 16.25 बजे, शाहपुर पटोरी से 17.12 बजे, बरौनी से 19.15 बजे, किऊल से 20.47 बजे, झाझा से 22.35 बजे, जसीडीह से 23.08 बजे, मधुपुर से 23.35 बजे, दूसरे दिन चित्तरंजन से 00.28 बजे, आसनसोल से 01.10 बजे, दुगार्पुर से 01.42 बजे, बर्द्धमान से 03.03 बजे, बैण्डेल से 04.00 बजे तथा नैहाटी से 04.25 बजे छूटकर कोलकाता 05.25 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05048 कोलकाता-बनारस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 24 सितम्बर से 05 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को कोलकाता से 08.25 बजे प्रस्थान कर नैहाटी से 09.24 बजे, बैण्डेल से 09.55 बजे, बर्द्धमान से 11.02 बजे, दुगार्पुर से 12.03 बजे, आसनसोल से 12.38 बजे, चित्तरंजन से 13.03 बजे, मधुपुर से 13.42 बजे, जसीडीह से 14.09 बजे, झाझा से 15.45 बजे, किऊल से 16.52 बजे, बरौनी से 19.00 बजे, शाहपुर पटोरी से 19.52 बजे, हाजीपुर से 21.20 बजे, सोनपुर से 21.32 बजे, दिघवारा से 22.02 बजे, छपरा से 23.20 बजे, दूसरे दिन सुरेमनपुर से 00.07 बजे, रेवती से 00.23 बजे, बलिया से 01.04 बजे, गाजीपुर सिटी से 02.02 बजे, औंड़िहार से 03.02 बजे तथा वाराणसी जं. से 03.50 बजे छूटकर बनारस 04.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 20 तथा जनरेटर सह लगेज यान के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

उन्नत एवं अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ ही साथ अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिये निरन्तर प्रयासरत है।

गोरखपुर: पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन रेल यात्रियों को उन्नत एवं अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं को उपलब्ध कराने के साथ ही साथ अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिये निरन्तर प्रयासरत है। अपने कर्मचारियों हेतु बेहतर पठन-पाठन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्यालय, गोरखपुर में स्थित केंद्रीय ग्रंथालय में विभिन्न विधाओं की स्तरीय पुस्तकों का विशाल संग्रह है, जिसका सन्दर्भ अत्यन्त उच्च कोटि का है। 1960 के दशक में स्थापित इस ग्रंथालय में लगभग 80,000 पुस्तकों का वृहद संकलन है। केंद्रीय ग्रंथालय में रेल अधिकारी एवं कर्मचारी तथा उनके पाल्य ग्रंथालय की उपयोगिता एवं शांत वातावरण में अध्ययन का लाभ उठा सकते हैं। मुख्यालय, गोरखपुर में कार्यरत सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बच्चे अपने अभिभावक के परिचय-पत्र की छायाप्रति एवं अपने उम्मीद कार्ड के साथ केंद्रीय ग्रंथालय के अध्ययन-कक्ष में अपनी पुस्तकें लाकर अध्ययन कर सकते हैं। ग्रंथालय के खुलने का समय 09.30 बजे एवं बन्द होने का समय 18.00 बजे है तथा पुस्तक आदान-प्रदान का समय 13.00 बजे से 15.00 बजे तक एवं 16.00 बजे से 18.00 बजे तक है। शनिवार, रविवार तथा अवकाश के दिन ग्रंथालय बन्द रहता है। रेलवे कर्मचारियों को सदस्यता हेतु न्यूनतम शुल्क रू. 50/- (पचास) मात्र में चार पाठक-टिकट, जो निर्धारित दो वर्ष के लिये वैध होते हैं, जारी किये जाते हैं। प्रत्येक पाठक-टिकट पर एक पुस्तक जारी की जाती है।

अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है।

गोरखपुर: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 21 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 2 पर 15 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 21 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट नकहा जंगल को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 75118 में एक संदिग्ध महिला 03 वर्ष की नाबालिग लड़की के साथ लावारिस हालत में मिली। पूछताछ के उपरान्त महिला व नाबालिग लड़की को चाइल्ड लाइन गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 20 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15273 में 15 वर्ष की एक नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा पर लाया गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़की को चाइल्ड लाइन, गोण्डा को सुपुर्द किया गया। 19 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट मऊ को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर घर से नाराज होकर आयी 14 वर्ष की नाबालिग लड़की लावारिस हालत में मिली, जिसे पूछताछ के उपरान्त रेलवे केस वर्कर, मऊ को सुपुर्द किया गया। 19 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीतापुर, चाइल्ड लाइन, एवं संवाद सामाजिक संगठन द्वारा संयुक्त निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 05736 में मजदूरी हेतु जा रहे 11 वर्ष से 17 वर्ष के 10 नाबालिक लड़के लावारिस हालत में मिले, जिन्हें सीतापुर पोस्ट पर लाया गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त 10 लड़को को चाइल्ड लाइन, सीतापुर को सुपुर्द किया गया। 19 सितम्बर, 2025 को परिजन से प्राप्त सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर द्वारा निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 19037 में घर से भागकर जा रहे 16 व 17 वर्ष के दो नाबालिग लड़कों को खोजबीन कर गोरखपुर पोस्ट पर लाया गया। पूछताछ के उपरान्त उक्त दोनों लड़को को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 19 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर द्वारा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 02569 में 17 वर्ष का एक नाबालिग लड़की को लावारिस हालत में पाकर गोरखपुर पोस्ट पर लाया गया, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 20 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट थावे को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 55036 में एक बीमार यात्री मिला, जिसे इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, थावे में भर्ती कराया गया तथा तथा यात्री के परिजन के स्वास्थ्य केन्द्र पर आने पर उसे सुपुर्द किया गया। 21 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बलिया को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15084 में महिला यात्री का छूटा हैण्ड बैग मिला, जिसे बलिया पोस्ट पर जमा किया गया। महिला यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग सुपुर्द किया गया। 21 सितम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गाजीपुर सिटी को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 22428 में यात्री का बैग मिला, जिसे गाजीपुर सिटी पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

टाइम सिटी ग्रुप के चेयरमैन समेत छह पर ठगी का केस

बस्ती। मालवीय रोड स्थित एक प्राइवेट कंपनी के लुभावने ऑफर में निवेश कराकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कंपनी ने निवेशकों को रकम दोगुनी करने का ऑफर दिया, लेकिन परिपक्वता अवधि पूरी होने पर रकम देने से इन्कार कर दिया। खीरीघाट-मड़वानगर निवासी चंद्रमती देवी ने तहरीर में कहा कि टाइम सिटी ग्रुप के लोगों ने उन्हें एफडी योजना के तहत पांच लाख 97 हजार रुपये निवेश करने के लिए लुभाया। कंपनी ने बताया कि निवेश की परिपक्वता पर 11 लाख 96 हजार रुपये का भुगतान किया जाएगा। परिपक्वता के बाद जब चंद्रमती देवी पैसे लेने गईं, तो उन्हें अपशब्द कहकर अपमानित किया गया और पूरी रकम हड़प ली गई। एसपी अभिनंदन के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने टाइम सिटी ग्रुप के चेयरमैन पंकज पाठक, वाइस चेयरमैन संतोष कुमार सिंह, वाइस प्रेसीडेंट अशोक कुमार सिंह, जीएम रीना शुक्ला, निदेशक सुशील कुमार मिश्रा, लीगल हेड सूर्यभान सिंह समेत छह नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाल दिनेश चंद्र चौधरी ने बताया कि विवेचना एसआई अरविंद राय को सौंपी गई है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मूर्ति ले जा रहे श्रद्धालुओं से विवाद, पुलिस ने कराया शांत

बस्ती। स्थापना के लिए देवी मूर्ति लेकर जा रहे श्रद्धालुओं से महसों मार्ग पर जखनी गांव के पास रास्ते से बाइक हटाने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि ट्रॉली पर रखी गणेश और लक्ष्मीजी की प्रतिमा फेंककर खंडित कर दी गई। इससे नाराज आयोजक व श्रद्धालु सोनूपार चौकी के पास धरने पर बैठ गए। सूचना पर पहुंचे सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी व कोतवाल दिनेश चंद्र चौधरी ने श्रद्धालुओं को समझा-बुझाया और दूसरी प्रतिमा की व्यवस्था कर मामले को शांत करा दिया। एसएचओ ने बताया कि पुलिस आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई करेगी।

जेवरात झपटने के दो मामलों में केस दर्ज

बस्ती। लालगंज और मुंडेरवा थाना क्षेत्रों में दो अलग-अलग जेवरात झपटने की घटनाओं में पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों ही घटनाओं में देखा गया कि अपराधी दिन के समय सक्रिय थे और बाइक से आए। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ कर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है।लालगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली कपूरी देवी ने पुलिस को तहरीर दी कि 5 सितंबर को दिन में वह गांव के पास सुअरहा मोड़ पर बांस की खूंटी के पास बैठी थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो अज्ञात लोग वहां पहुंचे और उनसे गांव का नाम पूछने लगे। जब कपूरी देवी उनसे बात करने लगीं, तो बदमाशों ने उनकी बातों में उलझाकर उनके गले से सोने का लॉकेट झपट लिया और भाग गए। लालगंज पुलिस ने मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं मुंडेरवा थाना क्षेत्र के मेहड़ा सैदवार पुलिया के पास शुक्रवार को हुई दूसरी घटना में कलावती देवी ने तहरीर दी कि वह कुरियार बाजार से लौट रही थीं। इसी दौरान दो बाइक सवार बदमाश उनके पास आए और उनके गले से सोने का लॉकेट झपटकर भाग निकले। मुंडेरवा पुलिस ने भी अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला किशोर का शव

सोनहा। थाना क्षेत्र के गनवरिया कला गांव में रविवार सुबह 17 वर्षीय शिवा गौड़ पुत्र गोपाल गौड़ की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। ग्रामीणों ने गांव के बाहर खेत में बेर के पेड़ से रस्सी के सहारे लटका शव देखा तो सनसनी फैल गई। परिजनों के मुताबिक, शिवा सुबह करीब 6 बजे शौच के लिए निकला था। ग्रामीणों ने सुबह 9 बजे उसका शव पेड़ से लटका देखा। सूचना पर प्रभारी थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह टीम के साथ पहुंचे और शव नीचे उतरवाया। विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मौत की वजह रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी। शिवा चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और बरगदवा राजकीय हाईस्कूल में दसवीं का छात्र था। उसके पिता मुंबई में नौकरी करते हैं, जबकि घर पर मां सुरेखा और छोटे भाई-बहन रहते हैं। गांव में चर्चा है कि रस्सी का सिरा उनके मकान की पन्नी से बंधी रस्सी के हिस्से से मिलता जुलता पाया गया।

विपक्ष के नेताओं को सद्बुद्धि दें भगवान: केशव

लखनऊ (संवाददाता)। संस्कृति मंत्रालय रूस के काल्मिकिया में 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक भगवान बुद्ध से संबंधित पिपरहवा कपिलवस्तु के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी लगाने जा रहा है। भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों को रूस में प्रदर्शन करने वाले प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता डिप्टी सीएम केशव मौर्य करेंगे। काल्मिकिया रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा कपिलवस्तु अवशेषो की प्रदर्शनी व भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व करने का अवसर केशव प्रसाद मौर्य को देने के लिए बौद्ध भिक्षुओं ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया ।

विपक्ष के नेताओं को सद्बुद्धि दें भगवान: केशव

लखनऊ (संवाददाता)। संस्कृति मंत्रालय रूस के काल्मिकिया में 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक भगवान बुद्ध से संबंधित पिपरहवा कपिलवस्तु के पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी लगाने जा रहा है। भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र अवशेषों को रूस में प्रदर्शन करने वाले प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता डिप्टी सीएम केशव मौर्य करेंगे। काल्मिकिया रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा कपिलवस्तु अवशेषो की प्रदर्शनी व भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व करने का अवसर केशव प्रसाद मौर्य को देने के लिए बौद्ध भिक्षुओं ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया ।बौद्ध भिक्षुओं ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की रूस की सफल यात्रा और कार्यक्रमो के सफल आयोजन हेतु आशीर्वाद दिया व सफल यात्रा की मंगलमय शुभकामनायें दी ।उप मुख्यमंत्री के कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर प्रदेश भर से बड़ी संख्या मे आये बौद्ध भिक्षुओं द्वारा एक समारोह में इस पुनीत कार्य के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया गया व धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से, जब से देश की बागडोर उनके हाथों में आई, तब से भारतीय संस्कृति व सभ्यता का विश्वपरिवार में मान सम्मान बढ़ाने का लगातार प्रयास करते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासंघ मे मोदी ने कहा था, कि दुनिया को भारत ने बुद्ध दिया,युद्ध नहीं दिया देश, प्रदेश व समाज की उन्नति चाहिए,तो भगवान बुद्ध की शरण में आना पड़ेगा और इस बात की तमाम देशों में चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री

ने कहा कि आज से पवित्र नवरात्रि के दिन शुरू हो गये हैं और जीएसटी उत्सव शुरू हो गया है,जिसका लाभ समाज के सभी वर्गों को मिलेगा ।उन्होंने आम जनमानस से अपील की, कि वह वही सामान खरीदें, जिसके निर्माण या उत्पादन में देशवासियों की मेहनत और देश के उद्योगो, किसानों,आदि का योगदान शामिल हो। कहा की नई जीएसटी दरें देश के उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देगी और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी ।जीएसटी उत्सव और आयकर छूट से देशवासियों को सालाना 2.5 लाख करोड रुपए की बचत होने का अनुमान है। नई जीएसटी दरों से रोजमर्रा की चीजे सस्ती होगी। डिप्टी सीएम ने कहा, मुझे रूस के काल्मिकिया जाने का अवसर मिला है और मैं प्रधानमंत्री की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा ।इस तरह सेवा करना मेरे लिए बहुत गर्व और सौभाग्य की बात है ।प्रधानमंत्री मोदी के प्रति हृदय से आभार प्रकट करते हुए कहा कि वो विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्हें दुनिया के 27 देशों ने अपना सर्वोच्च सम्मान दिया है ।उन्होंने कहा, तीन देशों में पहले पवित्र अवशेषों की प्रदर्शनी लग चुकी है ,ये थाईलैंड, मंगोलिया और वियतनाम हैं। मुझे रूस के एक गणराज्य काल्मिकिया जाने का मौका मिला है ।यह मेरे लिए गर्व की बात है। एक वार्ता में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जीएसटी को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव या जो विपक्ष के लोग राजनीति करते हैं, सकारात्मक राजनीति नहीं है। वो सकारात्मक राजनीति नहीं करना चाहते हैं,नकारात्मक राजनीति करना चाहते हैं। नवरात्रि में लोग मां दुर्गा की आराधना करते हैं, कोई महिषासुर की आराधना नहीं करता है। नवरात्रि का पवित्र समय है और जीएसटी के माध्यम से बचत का एक अवसर लोगों के लिए आया है ।इंडिया को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लिए और दुनिया पर निर्भरता कम करने की जरूरत है।

डिप्टी सीएम हजरगंज पहुंचे,व्यापारियों के साथ संवाद कर जीएसटी के फायदे बताए

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में नवरात्रि के पहले दिन राजधानी का बाजार रौनक से भर गया। इसी मौके पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक हजरतगंज के जनपथ मार्केट पहुंचे और व्यापारियों से

बातचीत कर जीएसटी में हुए हालिया संशोधनों और उनके फायदे बताए। डिप्टी सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दी गई नई छूट और सुविधाओं से आम लोगों को राहत मिली है और बाजार में उत्साह दिखाई दे रहा है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने हजरतगंज के जनपथ मार्केट में दुकानदारों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि नई जीएसटी छूट से त्योहारों के मौके पर लोगों की खरीद क्षमता बढ़ी है। दुकानदारों ने भी बाजार की रौनक और बिक्री में आई तेजी पर खुशी जताई। डिप्टी सीएम ने कहा कि गाड़ियों पर जीएसटी में मिली छूट से ऑटो सेक्टर में तेजी आई है। नवरात्रि के पहले दिन से ही शोरूम में ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। बृजेश पाठक ने कहा कि इस नवरात्रि से हम सबको स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। सरकार एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा दे रही है ताकि घर-घर में स्वदेशी उत्पादों का इस्तेमाल बढ़े और छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन मिले। हजरतगंज के अलावा चौक, अलीगंज, इंदिरा नगर और अलमबाग के बाजारों में भी नवरात्रि की खरीदारी को लेकर भीड़ रही। दुकानदारों ने बताया कि इस बार पहले दिन से ही बिक्री में इजाफा हुआ है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एनएसयूआई ने वीसी ऑफिस में ताला जड़ा,धरने पर बैठे

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में एनएसयूआई छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। छात्रों ने हंगामा करते हुए वीसी ऑफिस में ताला लगा दिया। उसके बाहर एक घंटे तक प्रदर्शन करते हुए हंगामा और नारेबाजी करते रहे। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने विश्वविद्यालय में एडमिशन में धांधली का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई के छात्र नेता विशाल सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में लगातार दाखिले में धांधली हो रही है। लंबे समय से हम देखते आ रहे हैं कि एडमिशन में यहां स्लैब चलता है। पैसा देकर अलग-अलग कोर्स में दाखिला दिया जाता है। 50 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक स्लैब बनाया गया है। यहां एडमिशन में धांधली के साथ दलाली हो रही है। जिसके वजह से जो मेरिट वाले छात्र हैं, उन्हें मायूसी होती है और एडमिशन नहीं मिल पाता है। विशाल सिंह ने कहा प्रदेश के युवा लखनऊ यूनिवर्सिटी में एक ख्वाब लेकर आते हैं, जिसे यहां चकनाचूर कर दिया जाता है। छैन्न परेशान होकर प्रदर्शन कर रहा है। जब तक आरोपी कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होगी, हम प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने एडमिशन सेल के कर्मचारियों के ऊपर जांच बैठाने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। विशाल सिंह ने कहा कि हमारे पास एडमिशन में धांधली का पूरा आंकड़ा मौजूद है। लंबे समय से यह खेल चल रहा है।

मामा ने की थी भांजे की हत्या, शराब पिलाई-नाले में डुबोकर मारा, 3 गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में सगे मामा ने अपने साथी के साथ मिलकर भांजे की हत्या की थी। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि हत्या की वजह मृतक भांजे की पत्नी से मामा के अवैध संबंध थे। भांजे रामफेर को जब इसकी भनक लगी तो उसने विरोध किया, जिसके बाद आरोपी मामा ने उसको रास्ते से हटाने की ठान ली। फिर, रायबरेली जिले के बछरावां का रहने वाला मामा बसंतलाल ने अपने एक अन्य साथी के साथ मृतक के गांव पहुंचा और षडयंत्र के तहत रामफेर को गांव के बाहर शराब पीने के लिए बुलाया। भांजे को शराब पिलाकर नशे में करने के बाद गमछे से गला घोंटा और फिर नाले के पानी में डुबोकर हत्या कर दी। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए आरोपी मामा समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया नगराम के छतौनी गांव के रहने वाले सुभाष चंद्र ने तहरीर में बताया था कि 18 सितंबर की शाम उसका भाई रामफेर घर से निकला था, लेकिन रातभर वापस नहीं लौटा। काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। अगले दिन रामफेर की पत्नी ने फोन पर सूचना दी कि उसकी लाश सलेमपुर साइफन के पास नाले में पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। नगराम पुलिस ने रविवार को मुकदमा दर्ज करने के बाद तेजी से जांच शुरू की। पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि मृतक की पत्नी से रायबरेली जिले के बछरावां में रहने वाले मामा बसंतलाल के अवैध संबंध थे। इसी वजह से मामा ने भांजे को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। इसमें मृतक की पत्नी ने साथ दिया था। पुलिस मामा बसंतलाल समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

नवरात्रि पर नॉनवेज बेचने का विरोध,अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के लोग दुकानें बंद करवाने पहुंचे

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में नॉनवेज की दुकानें बंद करवाने निकले अखिल भारतीय हिंदू महासभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता। हजरतगंज में बिकने वाले नॉनवेज दुकानों पर चिकन-मटन का

विरोध किया। नवरात्रि शुरू होने के बाद नॉनवेज न बेचने का आवाहन किया। अखिल भारतीय हिन्दू महा सभा ने नवरात्रि तक नॉनवेज की सभी दुकानें बंद करने की सीएम योगी से मांग किया। संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि नवरात्रि हमारी देवियों से जुड़ा हुआ बेहद पवित्र महीना है। इस पवित्र नवरात्र के महीने में हम सीएम योगी से मांग करते हैं कि नॉनवेज की दुकान बंद करने का निर्देश दिया जाए। इन्होंने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के हर गली और मोहल्ले में षड्यंत्र के तहत हिंदू धर्म के लोगों को नॉनवेज खिलौने का प्रयास हो सकता है। शिशिर चतुर्वेदी ने कहा कि हम लोगों ने नॉनवेज बेचने वालों से या अपील किया है कि नवरात्रि के समय पर वह दुकान ना खोलें। उन्होंने कहा कि हमने दुकानदारों से बात करके यह समझाने का कोशिश किया है कि आपसी भाईचारा का संदेश देते हुए स्वयं से दुकान बंद कर दें। जिससे एक अच्छा संदेश समाज में जाए। इन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते हैं कि कहीं पर किसी प्रकार का विवाद हो या लॉ-आर्डर खराब हो इसलिए सभी नॉनवेज बेचने वालों से हमारी विनती है कि वह खुद 9 दिनों तक नॉनवेज न बेचें। इन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि नॉनवेज व्यापारी बड़ा दिल दिखाएं। समाज में एकता और अखंडता का संदेश जाएगा। बहुत सारे हिंदू दुकानदार भी नॉनवेज बेचते हैं और ग्राहक भी हिंदू हैं तो दुकान बंद करने से सभी लोगों की आस्थाओं का सम्मान होगा। इसलिए हम आज सभी नॉनवेज बेचने वालों से यह निवेदन करने निकले हैं कि हम सब की भावनाओं का ध्यान रखते हुए आपसी सहयोग से दुकान बंद कर दें।

भाजपा की मंशा जातिवाद का खेल खुलकर खेलने की इसलिए लाया गया आदेश: सपा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कार्यवाहक मुख्य सचिव द्वारा राज्य में जातिगत गत भेदभाव समाप्त करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर जाति के उल्लेख करने पर रोक लगाने के दिये गए आदेश का समाजवादी पार्टी ने विरोध किया है। पार्टी ने कहा है कि इस आदेश के पीछे भाजपा की मंशा जातिवाद का खेल खुलकर खेलने की है। पार्टी ने कहा है पीडीए भाजपा के जातिवाद पर प्रहार करता रहेगा। पार्टी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट किया जब जातिवाद करते हुए ये भाजपा सरकार और इसके जिम्मेदार जनता द्वारा पकड़े गए, जब इन भाजपाइयों का अपना जातिवाद खुल गया, जब पीडीए ने इन भाजपाई जातिवादियों से नियुक्तियों और व्यवस्था में व्याप्त इनका स्वजातिवाद पूछ लिया तो पीडीए से घबरा कर ये नियम ले आए हैं, जबकि इस नियम के पीछे भी इन भाजपाइयों की मंशा जातिवाद का खेल और खुलकर खेलने की है, पीडीए रुकेगा नहीं, बल्कि पीडीए इन भाजपाइयों से सवाल पूछता रहेगा और इन भाजपाइयों के जातिवाद पर प्रहार करता रहेगा। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने राज्य में जातिगत गत भेदभाव समाप्त करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर जाति के उल्लेख करने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में जारी किया गया था। दरअसल, पिछले दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिए थे कि पुलिस रिकॉर्ड व सार्वजनिक स्थलों पर लोगों के नाम के साथ जाति के उल्लेख पर रोक लगाई जाए। कार्यवाहक मुख्य सचिव ने अपने आदेश में हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देकर स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार की घोषित नीति है कि राज्य में एक सर्वसमावेशी व संवैधानिक मूल्यों के अनुकूल व्यवस्था लागू हो। इसलिए एफआईआर व गिरफ्तारी मेमो में आरोपित की जाति नहीं लिखी जाएगी, बल्कि माता-पिता के नाम लिखे जाएंगे। इस आदेश के लागू होने के बाद प्रदेश में कोई भी राजनीतिक दल व अन्य संगठन जाति आधारित रैली नहीं कर सकेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि इस आदेश का प्रभाव जातीय राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों पर भी पड़ना तय है।

जाति आधारित रैलियों पर रोक, एफआईआर में भी नहीं लिखी जाएगी कास्ट, चुनाव से पहले योगी सरकार का बड़ा फैसला

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में योगी सरकार ने भेदभाव को कम करने के लिए के अहम निर्णय लेने जा रही है। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हालही में आदेश जारी किया था कि राज्य के मुख्य सचिव ने सार्वजनिक जगहों, कानूनी दस्तावेजों और पुलिस रिकॉर्ड्स में जाति का उल्लेख किए जाने पर रोक लगाई जाएगी। हाईकोर्ट के द्वारा आदेश जारी करने के बाद से अनुपालन में कार्यवाहक मुख्य सचिव दीपक कुमार ने इस संबंध में नए निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत अब प्रदेश में जाति आधारित रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। पुलिस की ओर से दर्ज की जाने वाली एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो और अन्य दस्तावेजों में आरोपियों की जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इसके स्थान पर माता-पिता के नाम लिखे जाएंगे। थानों के नोटिस बोर्ड, वाहनों और साइनबोर्ड पर लगे जातीय संकेत और नारे भी हटाए जाएंगे। आदेश के पालन के लिए पुलिस नियमावली और एसओपी में संशोधन भी किया जाएगा। सोशल मीडिया पर भी जाति आधारित कंटेंट पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। हालांकि एससी-एसटी एक्ट जैसे विशेष मामलों में जाति का उल्लेख जारी रहेगा। आपको बता दें कि इन आदेशों को उस वक्त लागू किया जाएगा जब राज्य में पंचायत चुनावों की तैयारियां चल रही हैं। साथ ही सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने आगामी विधानसभा चुनाव की भी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। खास तौर पर समाजवादी व बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों के लिए यह बड़ा झटका भी साबित हो सकता है। सपा लोकसभा चुनाव के पहले से ही विधानसभा चुनाव को लक्ष्य पर लेकर पीडीए (पिछड़ा, दलित व अल्पसंख्यक) की राजनीति की नींव मजबूत कर रही है।

केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में रेजिडेंट डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ आमने-सामने,एक-दूसरे पर लगा रहे गुंडागर्दी का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में नर्सिंग ऑफिसर और रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच का विवाद गहरा गया है। नर्सिंग स्टाफ और रेजिडेंट डॉक्टर आमने-सामने आ गए हैं। पुलिस ट्रॉमा सेंटर का गेट बंद करके मामले को शांत करने में जुटी है। नर्सिंग स्टाफ और रेजिडेंट डॉक्टर एक-दूसरे पर गुंडागर्दी का आरोप लगा रहे हैं। ट्रॉमा सेंटर में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है। भारी पुलिस बल तैनात है। आज दोपहर करीब 2 बजे नर्सिंग स्टाफ रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ ट्रॉमा सेंटर के ग्राउंड फ्लोर स्थित ट्राइज हॉल में प्रदर्शन शुरू किया। नर्सिंग स्टाफ ने जमकर नारेबाजी की। रेजिडेंट डॉक्टरों पर नर्सिंग स्टाफ के साथ शराब के नशे में गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया। हालांकि, थोड़ी देर बाद ट्रॉमा सेंटर इंचार्ज के कहने पर नारेबाजी बंद कर दी। बड़ी संख्या में जुटे नर्सिंग स्टाफ का कहना है कि जब तक यूनिवर्सिटी प्रशासन दोषी रेजिडेंट डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं करता तब तक धरना जारी रहेगा। वहीं, शाम पांच बजे रेजिडेंट डॉक्टर गेट नंबर 2 से पैदल चलकर ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। नर्सिंग स्टाफ की गुंडागर्दी नहीं चलेगी के नारे लगाए। धरना दे रहे नर्सिंग स्टाफ के शुभम राव ने बताया कि दारू के नशे में रेजिडेंट डॉक्टरों ने ड्यूटी के दौरान मेरे साथ मारपीट की। अभी तक यूनिवर्सिटी प्रशासन के द्वारा कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में धरना देने के अलावा और हमारे पास कोई ऑप्शन नहीं बचा है। शुभम ने कहा कि घटना के बाद मैंने खुद से पुलिस को तहरीर देकर दोषी 9 रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इनमें रेजिडेंट डॉक्टर अश्विन, आयुष, निखिल, अंकित वर्मा, अमित शर्मा, सतीश, दीपक छाबरा, देवेंद्र, प्रेम शामिल हैं। पुलिस ने जांच के आधार पर कार्रवाई करने की बात कही है। घटना के 72 घंटे से ज्यादा हो जाने के बाद भी केजीएमयू प्रशासन ने कोई एक्शन नहीं लिया है। पुलिस को दी गई तहरीर में शुभम ने लिखा कि 20 सितंबर की रात आरोपियों ने मेरे साथ गली-गलौज और मारपीट की। इन सभी लोगों ने शराब पी रखी थी। ये लोग आये दिन शराब पीकर गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं। हर शनिवार ये लोग शराब पीकर ड्यूटी आते हैं। अभद्र भाषा का प्रयोग करते है। 20 सितंबर को नाइट ड्यूटी के दौरान नर्सिंग स्टाफ रूम में पानी पी रहा था। यह सभी लोग नशे में आकर अचानक मेरे ऊपर हमला कर दिया। इतने लोगो को देखकर मैं डर गया। मुझे मारा पीटा गया और गाली दी गईं। जान से मारने की धमकी दी गई। मैं अपने घर से 1000 किलोमीटर दूर रहता हूं। ऐसे मैं मुझे इनसे खतरा बना रहता है। मुझे ये भी धमकी दी गई है कि अगर मैंने कहीं शिकायत की तो बाहर देख लेंगे। मेरी सोने की चेन और चश्मा मारपीट के दौरान टूट गई। मेरा फोन मेरे सामने ही फेंक दिया गया। मेरे पास कुछ रुपए भी रखे थे, जो निकालने की कोशिश की गई। इस घटनाक्रम में मेरे साथ ड्यूटी पर व्ज टेक्नीशियन प्रदीप थे, जिन्होंने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो उनके साथ भी मारपीट व गाली गलौज की गई। जान से मारने की धमकी दी गई। बीच-बचाव करने में प्रदीप कुमार को भी बांये हाथ में चोट आयी। उनका फोन भी छीनकर फेंक दिया गया, जिससे टूट गया। घटना की वजह से हम ड्यूटी करने में असहज महसूस कर रहे हैं। उस वार्ड में हमारी वापस जाने की हिम्मत नहीं हो रही। जानकारी के मुताबिक, ट्रॉमा सेंटर की ऑर्थो ओटी में नर्सिंग ऑफिसर शुभम शनिवार रात नाइट शिफ्ट की ड्यूटी कर रहे थे। शुभम के मुताबिक, ओटी में शराब के नशे में मेडिकल स्टूडेंट्स (जेआर वन और टू) ड्यूटी पर थे। मामूली बात पर जूनियर रेजिडेंटों ने गाली गलौज शुरू कर दी। शुभम ने विरोध जताया तो लात घूसों से पिटाई शुरू कर दी। शुभम पर जानलेवा हमला करते हुए जख्मी कर दिया। शोर शराबा, चीख पुकार सुनकर ओटी में तैनात दूसरे कर्मचारी इकट्ठा हो गए। किसी तरह से वहां से नर्सिंग ऑफिसर शुभम को बचाया। देर रात ही शुभम का मेडिकल कराया गया। शुभम की ओर से जूनियर रेजिडेंटों के खिलाफ केजीएमयू परिसर में बनी पुलिस चौकी में तहरीर दी गई थी। जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है । केजीएमयू प्रवक्ता और डीन पैरामेडिक्स डॉ. केके सिंह ने बताया कि दोषी रेजिडेंट डॉक्टरों के खिलाफ एक्शन के आदेश दिए गए हैं। कैंपस में ऐसी हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मयार्दा और कर्त्तव्य का बोध कराती है रामलीला

लखनऊ (संवाददाता)। दशहरा का नाम सुनते ही रामराज्य का स्वतः मन मे स्वरूप कौंधने लगता है। रामलीला का मंचन हमे स्मृतियों को ताजा करने और जीवन मे मयार्दा का ध्यान में रखने का भाव जागृत करने का काम करता है। रामलीला हमे मयार्दा और कर्त्तव्य का बोध कराती है। विचार व्यक्त करते हुए कुर्मांचल रामलीला समिति के महामंत्री विपिन सिंह ने कहा कि हर वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी आगामी 28 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक रामलीला मैदान कुर्मांचल नगर में मयार्दा पुरषोत्तम भगवान राम की लीलाओं का मंचन होगा। कार्यक्रम को मनोरम बनाने खातिर कलाकार अभी से रिहर्सल कर रहे हैं ।यह रामलीला तुलसीदास रचित रामचरित मानस से संग्रह कर राग रागनियों पर आधारित है। रामलीला महोत्सव का शुभारंभ समिति के मुख्य संरक्षक विधायक ओपी श्रीवास्तव द्वारा किया जायेगा।

जनता झूठे जश्न और उत्सवों में बहलने वाली नहीं: लोकदल

लखनऊ (संवाददाता)। देश में जीएसटी को लेकर उत्सव मनाए जाने को लेकर लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि देश की जनता पर जबरन थोपे गए बढ़े हुए जीएसटी और महंगाई को लेकर सरकार ने खुलेआम जश्न मनाया था। आज वही सरकार कह रही है कि जीएसटी कम कर दिया गया है और फिर से उत्सव मनाया जाए। सुनील सिंह ने सरकार से पूछा है, क्या जनता की लूट का उत्सव मनाना ही अब अमृतकाल है? क्या महंगाई की मार झेलते गरीब और मध्यम वर्ग के दर्द को ढकने के लिए ही सरकार ढोल-नगाड़े बजा रही है ?जनता से वसूले गए अतिरिक्त कर और उनकी बरबाद हुई कमाई का हिसाब कौन देगा? महंगाई और करों की आग में जलती जनता को राहत देने के बजाय सरकार अपनी असफलताओं को उपलब्धि बताकर उत्सव मना रही है। जनता के धैर्य की भी एक सीमा होती है। जनता अब झूठे जश्न और फर्जी उत्सवों में नहीं बहलने वाली। महंगाई और जीएसटी के नाम पर जनता को लूटने वाली यह सरकार आने वाले चुनाव में जनता के प्रकोप का सामना करेगी।

राजधानी के दुर्गा मंदिरों में पूजा-अर्चना को उमड़ी भीड़

लखनऊ (संवाददाता)। शारदीय नवरात्र की शुरूआत हो गई है। लखनऊ के देवी मंदिरों में सुबह से ही पूजा-पाठ शुरू हो गया है। बीकेटी के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की एक किमी लंबी कतार लगी हुई है। चौक के कालीबाड़ी मंदिर में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह भी नहीं है। भक्त घंटों से लाइन में खड़े हैं। अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर परिसर में भी भक्तों की भारी भीड़ है। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा होती है। इस बार नवरात्रि 10 दिनों की (22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक) रहेगी, क्योंकि चतुर्थी तिथि दो दिन तक रहेगी। दुर्गाष्टमी 31 सितंबर और महानवमी 1 अक्टूबर को रहेगी। 2 तारीख को दशहरा मनेगा। लखनऊ के बख्शी का तालाब (बीकेटी) स्थित प्रसिद्ध चंद्रिका देवी दुर्गा मंदिर में सुबह से ही विशेष पूजा-अर्चना शुरू हो गई है। मंदिर को फूलों और रोशनी से सजाया गया है। सुबह मंगला आरती में भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर प्रबंधन ने भक्तों के लिए प्रसाद और जलपान की व्यवस्था की है। पुराने लखनऊ के चौक स्थित कालीबाड़ी मंदिर में मां काली की विशेष पूजा और हवन का आयोजन हुआ। मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी रही। बंगाली समुदाय द्वारा यहां विशेष दुर्गा स्तुति और संध्या आरती का आयोजन किया जा रहा है। अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर परिसर में बने दुर्गा पंडाल में सुबह से ही भक्त पहुंच रहे हैं। यहां माता के अलग-अलग रूपों की झांकी सजाई गई है। पूरे दिन भजन-कीर्तन का कार्यक्रम चलेगा। महानगर और इंदिरा नगर के कई दुर्गा मंदिरों में भी सुबह से ही विशेष पूजा-अर्चना हुई। मंदिरों में रंग-बिरंगी लाइटिंग, सजावट और भक्ति संगीत ने श्रद्धालुओं को आकर्षित किया।

कजीएमयू में नई कैजुअल्टी और 6 बेड वेंटिलेटर यूनिट शुरू,डॉक्टर कॉल बेल की सुविधा मिलेगी

लखनऊ (संवाददाता)। नवरात्र के पहले दिन यूपी के सबसे बड़े चिकित्सा विश्वविद्यालय कजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में गंभीर मरीजों के लिए बड़ी सौगात दी गई। यहां 40 बेड के नए कैजुअल्टी यूनिट और 6 वेंटिलेटर बेड पर भर्ती शुरू हो गई। कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने फीता काटकर नए वर्किंग स्पेस का उद्घाटन किया है। इस दौरान भर्ती मरीजों से मिलकर उन्होंने हालचाल लिया। उद्घाटन से पहले उन्होंने पूजन और हवन भी किया। ट्रॉमा सेंटर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रेमराज सिंह ने बताया कि इस नए बिल्टअप एरिया से आपातकालीन मरीजों को बेहतर उपचार और राहत मिल सकेगी। सभी 40 बेड पर मरीजों के लिए डॉक्टर ऑन कॉल बेल की सुविधा भी दी गई है। जिससे डॉक्टर को खुद से जाकर बुलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बहुत जल्द पोर्टेबल सीटी स्कैन मशीन की व्यवस्था के प्रयास किया जा रहे हैं। मकसद दूर दराज से आने वाले मरीजों को ट्रॉमा सेंटर में तत्काल बेस्ट मेडिकल फैसिलिटी मुहैया कराना है। डॉ. अमिया अग्रवाल ने बताया कि कैजुअल्टी एरिया में एक माइनर व्ज सेटअप की गई है। स्टाफ के लिए वॉशरूम भी बना दिए गए। डॉक्टर के लिए अलग से वॉशरूम बनाए गए हैं। ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे मरीजों की आमद रहती है, ऐसे में राउंड द क्लॉक ड्यूटी करने वाले डॉक्टरों को इलाज के दौरान कोई परेशानी ना हो इसका भी ख्याल रखा गया है। इस दौरान सीएमएस डॉ. बी के ओझा, एमएस डॉ. सुरेश कुमार, डीन पैरामेडिक्स डॉ. केके सिंह, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. हैदर अब्बास, डॉ. अविनाश अग्रवाल, डॉ. समीर मिश्रा, डॉ. वैभव जायसवाल, डॉ. यादवेन्द्र धीर, सीएमओ डॉ. धीरेंद्र पटेल और डॉ. समीर कुमार मौजूद रहे।

ज्वेलरी कारीगर लाखों के जेवर लेकर फरार,कई दुकानदारों का सामान लेकर गायब हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित ई ब्लॉक मार्केट में ज्वैलरी कारीगर भरोसे का फायदा उठाकर लाखों के जेवर लेकर फरार हो गया। पीड़ित का आरोप है कि कारीगर कई सालों से उनकी दुकान पर काम कर रहा था। शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे ज्वेलरी बनाने के लिए चांदी और सोना ले गया, जिसके बाद नहीं लौटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। एलडीए-374 राजाजीपुरम निवासी चन्दन रस्तोगी की श्री बांके बिहारी ज्वैलर्स नाम से दुकान है। दुकान पर सरीपुरा का रहने वाला कारीगर रंजीत कुमार सोनी लंबे समय से काम कर रहा था। आरोप है कि 19 सितंबर की दोपहर करीब 1 बजे वह 18 ग्राम सोने और 650 ग्राम चांदी के जेवर लेकर गायब हो गया। चन्दन रस्तोगी उसके किराए के मकान पर पहुंचे, तो पता चला कि रंजीत उसी दिन मकान खाली कर चुका है। आसपास पूछने पर जानकारी मिली कि वह हंस ज्वैलर्स से भी 20 ग्राम सोना और 650 ग्राम चांदी लेकर फरार हुआ है। पीड़ित का कहना है कि कारीगर ने अन्य दुकानदारों को भी निशाना बनाया हो सकता है। पुलिस को तहरीर दी गई है। मामले में इंस्पेक्टर तालकटोरा का कहना है मुकदमा दर्ज करके आरोपी की तलाश की जा रही है।

सम्पादकीय

नवरात्र की शक्ति

हमने अमावस्या पर पितृ-विसर्जन के जरिये हमारे जीवन को समृद्ध करने वाले पुरखों को पुण्य स्मरण कर विदा किया। सोमवार का सूरज नवरात्र की बहुआयामी शक्ति से पूरे देश में आस्था का उल्लास और उमंग भर रहा है। नवरात्र के साथ ही देश में पर्व-त्योहारों की ऐसी शृंखला शुरू हो जाती है, जो जनमानस के तन-मन को ही नहीं, देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई दे जाती है। ऐसे वक्त में जब देश अमेरिका के ट्रैरिफ आतंक से जूझ रहा है, स्वदेशी का मंत्र हमारी आर्थिक व राष्ट्रीय संप्रभुता का संरक्षक बन सकता है। निस्संदेह, दूसरे देशों पर हमारी आर्थिक निर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी दुश्मन है। ये विदेशी का मोह, कहीं न कहीं राष्ट्रीय सरोकारों से हमारे विमुख होने का पर्याय भी है। देश में आर्थिक संपन्नता आई तो साथ ही विदेशी वस्तुओं को सम्मोहन भी बढ़ा है। हम स्वदेशी के उस मंत्र को भूल गए, जिसने परतंत्र भारत को आजाद कराने व ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। नवरात्र का पर्व व्रत और शक्ति की आराधना का पर्व है। ऐसी शक्ति जिससे राष्ट्र, समाज व व्यक्ति का कल्याण हो सके। ऐसे वक्त में जब लगातार भारत विरोधी कदम उठा रही ट्रंप सरकार ने भारतीय प्रतिभाओं पर अंकुश लगाने के लिये एच-1 बी वीजा को अस्त्र बनाया है, हमें अपनी प्रतिभाओं को देश में सहेजने का प्रयास करना चाहिए। देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना होगा कि अमेरिका के लिये महकने वाली प्रतिभाएं देश को क्यों नहीं महका सकती? यह अच्छी बात है कि नवरात्र पर्व की शुरूआत जीएसटी सुधारों के साथ हो रही है। अब तक दैनिक उपभोग की वस्तुओं व दवाओं आदि पर अतार्किक शुल्क लगाया गया था। जिसे बहुत पहले ही सुधार लिया जाना चाहिए था। देर आए दुरुस्त आए की तर्ज पर कहा जा सकता है कि अब लोगों की बचत बढ़ेगी। बचत बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और बाजार को गति मिलेगी। कुल मिलाकर स्वदेशी अर्थव्यवस्था गतिमान होगी, भारतीय-उद्योग धंधों को संबल मिलेगा और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। निस्संदेह, जीएसटी दरों में कमी और पर्व-त्योहारों के इस मौसम में देश के असंगठित क्षेत्र को शक्ति मिलेगी, जो रोजगार का सबसे बड़ा स्त्रोत भी है। नवरात्र के व्रत का पहला संकल्प हमारी आस्था और सेहत से है। देश आज मोटापे और उससे उत्पन्न गैर संक्रामक रोग मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा हृदयाघात से जूझ रहा है। इस नवरात्र के दौरान हम अपने खानपान को संयमित करके आस्था के संबल के साथ अपनी सेहत में सुधार कर सकते हैं। हमारे पर्व-त्योहार गहरे तक हमारे व्यावहारिक जीवन से जुड़े हैं। उनके गहरे निहितार्थों को समझने की जरूरत है। ये पर्व व त्योहार महज कर्मकांड ही नहीं है, इसके व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था के लिये गहरे संदेश हैं। इस तरह नवरात्र बेटियों को शक्तिशाली बनाने, लैंगिक भेदभाव खत्म करने और समाज में तनाव-अवसाद दूर करके व्यक्ति और समाज को स्वस्थ बनाने का पर्व है। हमें पर्व के मर्म को समझना है।

भारत में कृत्रिम मेधा का उपयोग रोजगारोन्मुख (एम्प्लॉयमेंट-ओरिएंटेड) होना चाहिए

संजीव ठाकुर

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में जहां की आबादी 141 करोड़ है इन परिस्थितियों में रोबोट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता कितनी सार्थक होगी यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। भारत में बेरोजगारी चरम सीमा पर है ऐसे में रोबोट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस देश के युवाओं का हक छिनता नजर आता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक और रोबोट का का कुछ इस तरह प्रयोग किया जाना चाहिए जिससे रोजगार के अवसर में विस्तार हो और ज्यादा से ज्यादा युवक रोजगार पा सके। यह तो सब विदित है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट का निर्माण मनुष्य ने ही किया है तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट को एम्प्लॉयमेंट ओरिएंटेड यानी रोजगारोंन्मुख बनाने का काम भी मानव कर ही सकता है वैज्ञानिकों ने मानव की सहायता के लिए और देश की बेहतरी के लिए अविष्कार किया है, इन परिस्थितियों में कृत्रिम मेधा और रोबोट किन्हीं भी परिस्थितियों में युवकों को रोजगार प्राप्त करने से रोकने का माध्यम नहीं बनना चाहिए। इसे रोजगार हेतु सकारात्मक दृष्टिकोण को दृष्टिगत रखते हुए नए तरीके के आविष्कार किए जाने की आवश्यकता है जिसस रोजगार को बढ़ावा मिल सके। अभी तक तो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, इजरायल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में काफी आगे हो चुकें हैं पर अब खाड़ी के देशों विगत 5 साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति केवल तेल के कुए पर सिमटे न रह कर अन्य योजनाओं पर भी काम करना शुरू कर दिया है और आश्चर्यजनक रूप से यूएई ,सऊदीअरबिया, कतर, मिस्त्र ,जॉर्डन, मोरक्को और अन्य देशों में यूरोप की तुलना में अब और ज्यादा खर्च करके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तकनीक को अपने देश में बहुत मजबूत बना लिया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी

हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट के भारतीय संदर्भ में जहां जनसंख्या 141 करोड़ हो चुकी है और बड़ी संख्या में युवा बेरोजगार है ज्यादा प्रयोग से लोगों की नौकरियां जाने का बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है। यह बात दुनिया के बड़े अरबपति कारोबारी टेस्ला और एक्स के कारोबारी एलन मस्क ने स्टार्टअप के एक कार्यक्रम में फ्रांस में महत्वपूर्ण अंदाज में कहीं, भविष्य के लिए यह बात एकदम सटीक एवं सार्थक है। एक अन्य अरबपति कारोबारी इयान बैंक्स ने भी इस पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात सभी विकासशील देशों के लिए भी लागू हो सकती है। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नफ्ज पढ़कर आपके मस्तिष्क की बात तुरंत पकड़कर उस पर अमल करने लगेगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पल्स रेट द्वारा आपके मन की हर बात जानने में सक्षम हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जितने फायदे हैं उससे ज्यादा विकासशील देशों के लिए यह नुकसान देह भी हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी पल्स रीडिंग और मानसिक विचारधारा को केवल थंब इंप्रेशन में ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का डिवाइस पढ़ कर उस पर अमल कर सकता है इस टेक्नोलॉजी से अमेरिका तथा यूरोपीय देश अब तक दुश्मन की अनेक सूचनाएं बड़ी आसानी से प्राप्त कर उसका सामरिक उपयोग करने में लगे हुए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग रूस अपनी टेक्नोलॉजी का उपयोग कर मिसाइल दागने में यूक्रेन यूक्रेन के विरुद्ध कर रहा है और अब तक यूक्रेन यूरोपीय तथा नाटो देश की मदद से इसी तकनीक के सहारे रूस के विरुद्ध अब तक टिका हुआ है वैसे तो यूक्रेन और रूस का युद्ध में काफी नुकसान हुआ है पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर उपयोग दोनों देश एक दूसरे पर कर रहे हैं। विकासशील देशों में इस टेक्नोलॉजी का विकास अभी काफी एडवांस नहीं है इन परिस्थितियों में उनके लिए उनके सामरिक महत्व की चीजें छुपाना दुश्मन देशों के सामने कठिन हो जाएगा और उनकी खुफिया जानकारी शक्तिशाली देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक सूत्र प्राप्त करने के बाद ही पूरी प्राप्त कर सकते हैं. खाड़ी के देश जिनमें सऊदी अरबिया, कतर ,मिस्त्र, जॉर्डन, यूएई अपने बजट का 34ः बढ़ा हुआ हिस्सा एआई तकनीक पर लगातार कर रहे हैं। खाड़ी के देश इस टेक्नोलॉजी का उपयोग इस वजह से कर रहे हैं क्योंकि यह उनकी भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिससे वे तेल की कमाई से हटकर अन्य साधनों से अपनी अर्थव्यवस्था में सुधार ला सकेंस यूं एई पहला देश है जिसने 2017 ने इस तकनीक को अपनाया था इसके बाद खाड़ी के देशों में अब टेक्नोलॉजी को अपनाने में होड़ हो गई हैस यह सभी देश एआई टेक्नोलॉजी पर लगभग 3 अरब डॉलर खर्च कर चुके हैंस दूसरी तरफ यदि इसका इस्तेमाल अति विशेषज्ञों द्वारा नहीं किया गया तो इसका दुरुपयोग जिन देशों के पास इन टेक्नोलॉजी से एडवांस टेक्नोलॉजी है वह पूरी जानकारी निकालने में सक्षम होंगे।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग यूरोपीय देश न सिर्फ सामरिक महत्व की चीजों में कर रहे हैं बल्कि मेडिकल साइंस और अंतरिक्ष विज्ञान में भी पूरी तरह हो रहा है और इससे बहुत फायदे भी मिल रहे हैंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मानव प्रजाति के लिए जितना फायदेमंद है दूसरी तरफ उतना ही नुकसान दे और इससे वैश्विक शांति को खतरा भी हो सकता हैस एक्टिविस्ट मानते हैं कि रोबोट की तरह इस तरह की विज्ञान पर आधारित चीजें माननीय प्रजाति को खत्म कर सकती है बल्कि उनकी चिंता डेटा सुरक्षा प्रपोगेंडा सर्विलांस के विरुद्ध होने वाले नुकसान पर भी ज्यादा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर खाड़ी के देशों ने एआई के इस्तेमाल पर दिशा निर्देश तय कर उसे जारी किया है हालांकि इस पर कोई कानूनी बाध्यता नहीं है फिर भी इसका दुरुपयोग होने से मानव को खतरा भी हो सकता है यह एक वैश्विक चिंता की बात है।

ट्रंप का एक और झटका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री एक-दूसरे के गहरे मित्र होने का दावा करते हैं, हालांकि उनकी दोस्ती कई नेताओं को समझ नहीं पड़ती और भारत में भी इस पर सवाल उठते हैं। दोनों के बीच सम्मान और दोस्ती का रिश्ता कितना गहरा है, यह तो वे ही सही-सही बता सकते हैं, लेकिन एक बात तय है कि सरकार चलाने के तौर-तरीके, लच्छेदार बातें और राष्ट्रवाद को राजनीति का केंद्र बनाना, इन सब में दोनों में जबरदस्त सामंजस्य दिखता है। शनिवार को जब नरेन्द्र मोदी गुजरात में आत्मनिर्भरता का पाठ देश को पढ़ा रहे थे और कह रहे थे कि हमारी सबसे बड़ी कमजोरी दूसरे देशों पर निर्भरता है। उसी वक्त ट्रंप सरकार अमेरिका फर्स्ट के नारे को बुलंद करते हुए एच-1 बी वीजा पर 1 लाख डॉलर (करीब 88 लाख) की फीस लगाने का ऐलान किया है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि यह अमेरिकी श्रमिकों की रक्षा करने, वीजा सिस्टम के गलत इस्तेमाल को रोकने और यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है कि केवल सबसे कुशल और सबसे अधिक वेतन पाने वाले विदेशी पेशेवर ही योग्य हों। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा है, श्अगर आपको किसी को प्रशिक्षित करना है, तो आपको हमारे देश के बेहतरीन विश्वविद्यालयों से हाल ही में उत्तीर्ण हुए ग्रेजुएट को प्रशिक्षित करना चाहिए। अमेरिकियों को प्रशिक्षित करो। बाहर से लोगों को लाकर हमारी नौकरियां छीनना बंद करो।श व्हाइट हाउस ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है और कहा है कि संवेदनशील उद्योगों में विदेशी श्रमिकों पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता अमेरिका की क्षमता को कमजोर करती है।फिलहाल भारत का विदेश मंत्रालय इस फैसले की समीक्षा कर रहा है, हालांकि इससे ज्यादा कुछ करने की स्थिति में वह है भी नहीं। क्योंकि मोदी सरकार की विदेश नीति इतनी कमजोर हो चुकी है कि ट्रंप जब चाहे भारत का अपमान कर सकते हैं। वे जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी चुप ही रहेंगे। लेकिन नरेन्द्र मोदी खुद जितना आत्मनिर्भर होने, मेक इन इंडिया आदि की बातें करते हैं, और विदेश सामान खरीदने की आदत छोड़ने की बात कहते हैं, वे भी संभवतरू इस फैसले से निजी हैसियत में सहमत ही होंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक तो उनका कोई प्रतिवाद सामने नहीं आया है। अलबत्ता देश में इस पर हलचल मच गई है। खासकर आई टी इंडस्ट्री अब सोच में पड़ गई है कि कैसे इस चुनौती का सामना करे। बता दें कि अमेरिका में एच 1 बी वीजा धारकों में भारतीयों की हिस्सेदारी 70 फीसदी से ज्यादा है, ऐसे में वीजा नियमों में बदलाव का सीधा असर भारत के टेक सेक्टर और प्रोफेशनल्स पर पड़ने वाला है। इसके अलावा विश्वविद्यालय में शोध करने पहुंचे भारतीय शोधकताओं को भी नुकसान उठाना पड़ेगा। अमेरिकी कंपनियां विदेशों से टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, फाइनेंस और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रतिभाशाली पेशेवरों को नौकरी पर रखती हैं। इनमें सबसे ज्यादा भारतीय नौकरी करते हैं। देश में इसी ब्रेन ड्रेन यानी प्रतिभा पलायन पर बरसों से चिंता जताई गई, लेकिन ऐसा माहौल नहीं बना कि अच्छी नौकरी, बेहतर कार्य संस्कृति, अच्छा वेतन सब देश में ही उपलब्ध हो। लिहाजा लाखों भारतीय अमेरिका जाकर ही जीवन सुधारने के सपने देखते रहे। खुद नरेन्द्र मोदी ने 2014 में कहा था कि मेरा सपना है कि ऐसा भारत बने जिसमें अमेरिकियों को वीजा की लाइन में लगना पड़े। समय के साथ ये भी मोदीजी का एक और जुमला ही साबित हुआ। अब लाखों परिवार जब इस चिंता में हैं कि अमेरिका में रहें या नहीं, भविष्य में क्या और सख्ती बरती जाएगी, देश लौटेंगे तब नौकरी, पढ़ाई, की क्या सुविधा रहेगी, इन सब को नजरंदाज करते हुए मोदी चुप है। इस वीजा नियम के 21 सितंबर को लागू होने से पहले ही कई उलझनें सामने आईं, जिन पर ट्रंप प्रशासन ने साफ किया है कि अमेरिकी कंपनियों को किसी विदेशी कर्मचारी के लिए हर नए एच-1बी आवेदन पर एक लाख डॉलर का शुल्क अदा करना होगा। जो भारतीय पहले से एच-1 बी वीजा पर काम कर रहे हैं, उन पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। लेकिन नौकरी के नए अवसर तलाश रहे लोगों के लिए यह नई और एक बड़ी बाधा है। व्हाइट हाउस के मुताबिक यह फीस मौजूदा वीजा धारकों पर लागू नहीं होगी। नवीनीकरण पर भी यह शुल्क लागू नहीं है, बल्कि सिर्फ नए आवेदनों और आगामी लॉटरी साइकिल पर लागू होगा। हालांकि इस स्पष्टीकरण के बाद भी अफरातफरी मची। सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ वीजाधारकों ने डर के चलते अमेरिका जाने वाली फ्लाइट छोड़ दी। वहीं दिल्ली से न्यूयॉर्क की सीधी उड़ानों के टिकट की कीमत महज दो घंटे में 37,000 से बढ़कर 70,000-80,000 तक पहुंच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों ने विदेश में मौजूद अपने एच-1बी स्टाफ को सलाह दी है, जल्दी लौट आएं या तब तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा से बचें जब तक नए नियम साफ न हो जाएं.श अमेरिकन इमिग्रेशन काउंसिल के पॉलिसी डायरेक्टर जॉर्ज लोवरी ने बीबीसी से कहा, श्यह पॉलिसी बिना किसी सूचना, बिना किसी दिशा-निर्देश और बिना योजना के लाई गई है। हम देख रहे हैं कि भ्रम सिर्फ वीजा धारकों और उनके परिवारों में ही नहीं है, बल्कि एंप्लॉयर और यूनिवर्सिटीज भी समझ नहीं पा रहे कि उन्हें कैसे इसका पालन करना है। सरकार पर यह जिम्मेदारी है कि वह नियमों को साफ करे, खासकर तब जब लोगों की जिंदगियां और करियर दांव पर हों।

राजद प्रवक्ताओं का टीवी डिबेट्स में व्यवहार : लोकतंत्र की गरिमा पर सवाल

राजद प्रवक्ताओं की सबसे बड़ी कमी उनकी तथ्यहीनता और तैयारी की कमी है। जब उनसे तथ्य और आंकड़े मांगे जाते हैं, तो वे या तो विषय बदल देती हैं या फिर चीख-चिल्लाकर माहौल को तनावपूर्ण बनाने की कोशिश करती हैं।

हाल के दिनों में, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की प्रवक्ताओं-कंचना यादव, सारिका पासवान और प्रियंका भारती-के टीवी डिबेट्स में अभद्र व्यवहार और अपशब्दों से भरे वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन प्रवक्ताओं का आचरण न केवल राजनीतिक चर्चा के स्तर को नीचे लाता है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है। न्यूज चैनलों पर होने वाली पैनल चचाओं में ये प्रवक्ता तथ्यों और तर्कों के बजाय व्यक्तिगत हमलों, अपशब्दों और प्रोपेगेंडा का सहारा लेती नजर आ रही हैं। इस तरह की हरकतों की कड़ी आलोचना हो रही है, और जनता के बीच इनके प्रति गुस्सा और निराशा साफ देखी जा सकती है। इन वायरल वीडियो में कंचना यादव, सारिका पासवान और प्रियंका भारती का अन्य पैनलिस्टों के साथ व्यवहार निंदनीय रहा है। ये प्रवक्ता अक्सर चर्चा के दौरान विषय से भटककर व्यक्तिगत टिप्पणियां करती हैं और विरोधी पक्ष के तर्कों को सुनने की बजाय चीख-चिल्लाकर अपनी बात मनवाने की कोशिश करती हैं। उदाहरण के लिए, हाल ही में एक प्रमुख न्यूज चैनल पर आयोजित डिबेट में कंचना यादव ने एक पैनलिस्ट को अपशब्द कहते हुए उनकी योग्यता पर सवाल उठाया। यह व्यवहार न केवल असभ्य था, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वे तथ्यपरक चर्चा में हिस्सा

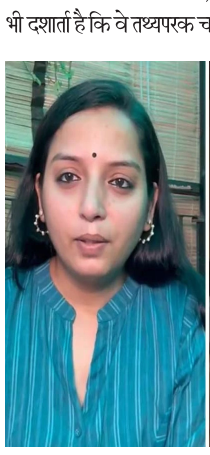

लेने के बजाय माहौल को विषाक्त करने में अधिक रुचि रखती हैं। इसी तरह, सारिका पासवान ने एक अन्य चर्चा में बिना किसी तथ्य के विपक्षी दलों पर कीचड़ उछालने की कोशिश की, जिसका कोई ठोस आधार नहीं था। प्रियंका भारती ने भी एक डिबेट में तर्कों को नजरअंदाज करते हुए भावनात्मक प्रोपेगेंडा और महिला व पिछड़ा कार्ड खेलने की कोशिश की, जो उनकी कमजोर तैयारी को उजागर करता है। यह विशेष रूप से शर्मनाक है कि ये प्रवक्ता अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए बार-बार महिला और पिछड़ा होने का कार्ड खेलती हैं। यह रणनीति न केवल पुरानी और घिसी-पिटी हो चुकी है, बल्कि यह समाज के उन लोगों का भी अपमान करती है जो वास्तव में अपने समुदाय के लिए संघर्ष करते हैं। अगर इन प्रवक्ताओं को वंचित वर्ग से आने वाले किसी व्यक्ति से प्रेरणा लेनी है, तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता डॉ. गुरु पासवान को देखना चाहिए। डॉ. पासवान, जो स्वयं एक वंचित समाज से आते हैं, अपनी हर बात को तथ्यों और तर्कों के साथ पेश करते हैं। वह किसी भी प्रश्न से पीछे नहीं हटते और न ही व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेते। उनकी पढ़ाई-लिखाई, गहन विषय-ज्ञान और शालीनता उन्हें एक प्रभावी वक्ता बनाती है। उनकी तार्किक क्षमता और व्यवहार इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक पृष्ठभूमि कोई बहाना नहीं होनी चाहिए; मेहनत, ज्ञान और सभ्यता ही असली ताकत हैं। क्या राजद की प्रवक्ताएं उनसे कुछ नहीं सीख सकतीं? राजद प्रवक्ताओं की सबसे बड़ी कमी उनकी तथ्यहीनता और तैयारी की कमी है। जब उनसे तथ्य और आंकड़े मांगे जाते हैं, तो वे या तो विषय बदल देती हैं या फिर चीख-चिल्लाकर माहौल को तनावपूर्ण बनाने की कोशिश करती हैं। उदाहरण के लिए, एक हालिया डिबेट में जब कंचना यादव से बिहार में राजद शासन के दौरान शिक्षा और रोजगार के आंकड़ों पर सवाल किया गया, तो उन्होंने जवाब देने के बजाय विपक्षी पैनलिस्ट पर व्यक्तिगत टिप्पणी की। यह व्यवहार न केवल उनकी अक्षमता को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे जनता के असल मुद्दों से कितनी दूर हैं। इसी तरह, सारिका पासवान ने एक अन्य चर्चा में बिहार में अपराध दर के आंकड़ों पर सवाल उठाए जाने पर तथ्यों के बजाय विपक्षी दलों पर अनर्गल आरोप लगाए। प्रियंका भारती भी अक्सर तथ्यों के अभाव में भावनात्मक अपील का सहारा लेती हैं, जो उनकी कमजोर तैयारी को और उजागर करता है। सोशल मीडिया पर इन वीडियो को देखकर जनता का गुस्सा साफ झलकता है। लोग इन प्रवक्ताओं की तुलना उन नेताओं और प्रवक्ताओं से कर रहे हैं।

रूस की चेतावनी नई वैश्विक कूटनीतिक व्यवस्था का संकेत

भारत से अमेरिका को होने वाले आयात पर पचास प्रतिशत का टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका ने रूस से भारत द्वारा कच्चा तेल खरीदने को कारण बताया है। अमेरिका का कहना है कि भारत ऐसा करके रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा किया कि भारत और चीन पर अमेरिका की टैरिफ धमकी बेअसर हो रही है और वाशिंगटन में दोनों प्राचीन सभ्यताओं के साथ ऐसी भाषा के प्रयोग की निरर्थकता को लेकर बहस चल पड़ी है। भारत और चीन के खिलाफ जारी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध के खिलाफ रूस का खुलकर उतरना वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का उदाहरण है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का दोनों देशों के पक्ष में खुलकर उतरना यह साबित करता है कि तीनों ही देश कम से कम आर्थिक विषयों के मामले में साथ आ रहे हैं। रूस का खुलकर भारत और चीन का साथ देना और अमेरिका का विरोध करना, वैश्विक दादागिरी वाली अमेरिकी कूटनीति को सीधी चुनौती कही जा सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन 17 सितंबर के दिन बधाई देकर एक तरह से दोनों देशों के रिश्तों में टैरिफ युद्ध के चलते आई तल्खी को कम करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी रूख में कोई बदलाव नहीं आने की वजह से वास्तविक हालात में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। ऐसे मौके पर सर्गेई लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चेतावनी हो सकता है। भारत से अमेरिका को होने वाले आयात पर पचास प्रतिशत का टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका ने रूस से भारत द्वारा कच्चा तेल खरीदने को कारण बताया है। अमेरिका का कहना है कि भारत ऐसा करके रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है। हालांकि भारत इससे इनकार करता रहा है। भारत वैसे भी रूस से तेल

खरीदने वाले देशों में निचले पायदान पर है। हां, भारत की रूस से नजदीकी रही है और वह बनी हुई है। विशेषकर रक्षा क्षेत्र में रूस से भारत की नजदीकी दशकों से बनी हुई है। अमेरिका इससे चिढ़ता रहा है। हालांकि पिछले करीब दो दशकों से इसमें कमी आई है। इसकी वजह भारत का विशाल मध्य वर्गीय बाजार रहा है। जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां मोटा मुनाफा कमा रही हैं। लेकिन ट्रंप काल में आए टैरिफ बम के चलते इसमें गिरावट आ रही है। सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को एक तरह से चेतावनी दी, अपने ही देश के मुख्य टीवी चैनल 1टीवी के कार्यक्रम द्दद ग्रेट गेमद्ध में उन्होंने कहा कि चीन और भारत प्राचीन सभ्यताएं हैं। उनसे इस तरह से बात करना कि या तो आप वह बंद कर दें जो हम नहीं चाहते या हम आप पर टैरिफ थोप देंगे, काम नहीं कर पाया। सर्गेई ने इस कार्यक्रम में एक तरह चुटकी भी ली। उन्होंने अमेरिका के चीन और भारत से जारी रिश्तों को लेकर कहा कि चीन और भारत से जिस तरह का अमेरिकी संपर्क जारी है, वह दिखाता है कि अमेरिकी पक्ष वैश्विक कूटनीति में आ रहे बदलावों को समझ चुका है। लावरोव ने अमेरिका के प्रति भारत और चीन की प्रतिक्रिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि अमेरिकी कदम से दोनों देशों को थोड़ी आर्थिक परेशानी जरूर हुई, क्योंकि दोनों ही देशों यानी चीन और भारत को नए बाजारों और ऊर्जा आपूर्ति के नए स्त्रोतों की तलाश करने और ज्यादा कीमत चुकाने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण ये है कि इस अमेरिकी रवैये का नैतिक और राजनीतिक विरोध भी हो रहा है। लावरोव का यह कहना भी कि रूस पर नए प्रतिबंधों से कोई खतरा नहीं है, बहुत मानीखेज है। इसका मतलब यह है कि रूस कम से कम इस वक्त अमेरिकी दबवा में नहीं आने जा रहा। रूस पर वैसे ही बाइडन प्रशासन के जमाने से कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं, फिर भी रूस की सेहत और कूटनीति पर विशेष असर नहीं पड़ा है। ध्यान देने की बात यह है कि रूस, चीन और भारत की कुल जनसंख्या करीब तीन अरब है। जो वैश्विक जनसंख्या का करीब चालीस फीसद है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीनों देशों की अर्थव्यवस्था की सामूहिक भागीदारी करीब 32 प्रतिशत है। जाहिर है कि दुनिया में इनकी हिस्सेदारी अहम है।

सुप्रीम कोर्ट से जैकलीन को झटका, 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ी याचिका खारिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया जिसमें उन्होंने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट यानी ईसीआईआर को रद्द करने की मांग की थी। यह मामला कथित ठग सुकैश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जो पहले ही कई धोखाधड़ी के मामलों में जेल में बंद है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी जस्टिस दिपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने जैकलीन फर्नांडिस की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की दलीलें सुनने के बाद कहा कि 'हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे।' इसके साथ ही अदालत ने साफ कर दिया कि 3 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को ही बरकरार रखा जाएगा। इसमें जैकलीन की ईसीआईआर रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट से जैकलीन को झटका, 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ी याचिका खारिज

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया जिसमें उन्होंने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट यानी ईसीआईआर को रद्द करने की मांग की थी। यह मामला कथित ठग सुकैश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जो पहले ही कई धोखाधड़ी के मामलों में जेल में बंद है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी जस्टिस दिपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने जैकलीन फर्नांडिस की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की दलीलें सुनने के बाद कहा कि 'हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे।' इसके साथ ही अदालत ने साफ कर दिया कि 3 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को ही बरकरार रखा जाएगा। इसमें जैकलीन की ईसीआईआर रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया गया था। यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ जब दिल्ली पुलिस ने सुकैश चंद्रशेखर के खिलाफ मामला दर्ज किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने फार्मा कंपनी रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स शिविंदर सिंह और मलविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये की ठगी की। इसी आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की और एक ईसीआईआर दर्ज किया। जांच में जैकलीन फर्नांडिस का नाम भी सामने आया। ईडी का आरोप है कि सुकैश ने जैकलीन फर्नांडिस को महंगे तोहफे दिए और उनके संपर्क में रहे। इसी कारण एक्ट्रेस को इस केस में आरोपी बनाया गया। जैकलीन कई बार ईडी के दफ्तर में पूछताछ के लिए पेश भी हो चुकी हैं। याचिका क्यों दाखिल की गई थी? जैकलीन की ओर से दाखिल याचिका में यह दलील दी गई थी कि ईडी द्वारा दर्ज किया गया ईसीआईआर कानूनन टिकाऊ नहीं है और इसमें उन्हें बेवजह फंसाया गया है।

कांतारा चैप्टर 1 का ट्रेलर देखकर फैंस ने दिए ऐसे रिएक्शन, बोले- यह फिल्म नहीं

ऋषभ शेट्टी की मच अवेटेड फिल्म ह्यकांतारा चैप्टर 1 का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ट्रेलर के सामने आने के बाद फैंस का उत्साह फिल्म को लेकर और भी बढ़ गया है। यही वजह है कि ट्रेलर सामने आने के बाद अब फैंस के रिएक्शन भी आना शुरू हो गए हैं। जानते हैं एक्स पर यूजर्स ने ट्रेलर देखने के बाद क्या कुछ कहा ह्यकांतारा चैप्टर 1 के ट्रेलर का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब ट्रेलर सामने आते ही फैंस फिल्म देखने के लिए उत्साहित हो गए हैं। अधिकांश यूजर्स ने एक्स पर ट्रेलर की तारीफ की है। एक यूजर ने कहा, ह्यकांतारा में सिर्फ अंत के 10 मिनट जबरदस्त थे। लेकिन कांतारा चैप्टर 1 तो पूरी फिल्म ही टॉप क्लास नजर आ रही है। वहीं एक यूजर का कहना है कि ट्रेलर के कुछ सीन सिर्फ कहानी का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि एक प्रार्थना के समान हैं। रोंगटे खड़े कर देने वाला है ट्रेलर कांतारा के ट्रेलर की तारीफ करते हुए एक फैंस का कहना है कि ये सिर्फ एक सिनेमा नहीं बल्कि आपकी रूह कंपा देने वाला और रोंगटे खड़े कर देने वाला अनुभव है। फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। वहीं कुछ एक यूजर ने फिल्म के बढ़े बजट पर ऋषभ शेट्टी की उम्मीदों का जिक्र करते हुए कहा फिल्म देखने के लिए इंतजार नहीं हो रहा। एक यूजर ने फिल्म के बैकग्राउंड म्यूजिक की तारीफ करते हुए इसे पहली फिल्म से ज्यादा बड़ा और बेहतर बताया है। विजुअल्स और वीएफएक्स की हो रही तारीफ एक यूजर का कहना है कि मेकर्स ने जानबूझकर ट्रेलर को कमजोर रखा है ताकि असली जादू सिर्फ सिनेमाघरों में ही महसूस किया जा सके। इसमें ढेरों अनदेखे और पहले कभी न देखे गए दृश्य और बीजीएम हमारे लिए इंतजार कर रहे हैं। एक यूजर ने ट्रेलर में ब्रह्मराक्षस का जिक्र किए जाने पर कहानी को लेकर सवाल उठाया है। कई यूजर्स को ट्रेलर के कुछ एक वीजुअल्स और वीएफएक्स काफी पसंद आ रहे हैं। 2 अक्तूबर को रिलीज होगी फिल्म ऋषभ शेट्टी स्टारर और निर्देशित ह्यकांतारा चैप्टर 1 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म के हिंदी ट्रेलर को बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने लॉन्च किया है।

कांतारा चैप्टर 1' का ट्रेलर रिलीज, राजा और प्रजा में होगा युद्ध; दमदार हैं कई सीन

लोगों का इंतजार खत्म हुआ और ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' का मच अवेटेड ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। जानिए कैसा है ट्रेलर ऋषभ शेट्टी की इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' का ट्रेलर आज सामने आ गया है। ट्रेलर रिलीज से पहले ही इसको लेकर फैंस में काफी उत्साह था और वो बेसब्री से फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। अब ट्रेलर रिलीज होते ही यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और ट्रेंडिंग में आ गया है। ट्रेलर देखने के बाद फिल्म को लेकर

लोगों का उत्साह और भी बढ़ गया है। 2 मिनट 56 सेकंड के इस ट्रेलर में ऋषभ शेट्टी और गुलशन देवैया के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलता है। गुलशन इस बार विलेन के किरदार में नजर आए हैं, वो फिल्म में राजा बने हुए हैं। फिल्म में इस बार राजा और प्रजा के बीच के युद्ध को दिखाया जाएगा। ट्रेलर में दंत कथाओं और लोक कथाओं का जिक्र है, जो फिल्म का मूल भी है। ट्रेलर देखकर ये साफ पता चलता है कि फिल्म में जबरदस्त वीएफएक्स और विजुअल्स देखने को मिलेंगे। क्योंकि ट्रेलर में ही कुछ सीन ऐसे हैं, जो आपके मुंह से वाह निकाल सकते हैं। ऋषभ शेट्टी द्वारा निर्देशित ह्यकंतारा: चैप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल कहानी को आकार दिया है। फिल्म के ट्रेलर को अलग-अलग भाषाओं में अलग-अलग सुपरस्टार ने प्रस्तुत किया है। हिंदी में इस ट्रेलर को बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने लॉन्च किया है। जबकि तेलुगु में प्रभास, तमिल में शिवकार्तिकेयन और मलयालम में पृथ्वीराज सुकुमारन ने इसे लॉन्च किया। इस फिल्म को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

स्पाइडर मैन' के सेट से टॉम हॉलैंड को हॉस्पिटल लेकर भागे साथी, रुकी फिल्म की शूटिंग

हॉलीवुड एक्टर टॉम हॉलैंड फिल्म 'स्पाइडमैन: ब्रैंड न्यू डे' के सेट पर शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं। जानें अभिनेका के हेल्थ के बारे में। दुनियाभर में स्पाइडर-मैन के नाम से पहचान बना चुके हॉलीवुड स्टार टॉम हॉलैंड हाल ही में अपने नए प्रोजेक्ट ह्यस्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए। इस हादसे के बाद न केवल फिल्म की शूटिंग रोकनी पड़ी, बल्कि

उनके प्रशंसक भी काफी चिंता में पड़ गए। हालांकि राहत की बात यह है कि चोट गंभीर नहीं है और डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक ग्लासगो में चल रही फिल्म की शूटिंग के दौरान टॉम हॉलैंड को हल्की चोट आई। शुरूआती जांच में पता चला कि उन्हें हल्का कंसकशन यानी सिर पर चोट लगी है। डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिनों तक आराम करने की सलाह दी है। फिल्म यूनिट ने भी सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शूटिंग रोक दी। मेकर्स का कहना है कि यह रुकावट ज्यादा लंबी नहीं होगी और कुछ ही दिनों में अभिनेता फिर से सेट पर लौट आएंगे। रिलीज डेट पर असर नहीं फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह चोट प्रोडक्शन शेड्यूल को बहुत अधिक प्रभावित नहीं करेगी। लिहाजा फिल्म की तय रिलीज डेट 24 जुलाई 2026 को बदला नहीं जाएगा। यूनिट ने यह भी साफ किया कि टॉम हॉलैंड की सेहत पूरी तरह स्थिर है और वह जल्द ही कैमरे के सामने दिखाई देंगे। जैसे ही सोशल मीडिया पर टॉम हॉलैंड की चोट की खबर फैली, उनके चाहने वाले बेचैन हो उठे। एक्स पर फैंस लगातार उनके जल्द ठीक होने की दुआएं करते दिखे।

एक्शन-कॉमेडी से लेकर सस्पेंस-रोमांस तक, इस हफ्ते ओटीटी पर मिलेगा एंटरटेनमेंट का भरपूर डोज

ओटीटी पर इस हफ्ते शानदार कंटेंट की भरमार देखने को मिलेगी। कॉमेडी, एक्शन, रोमांस और थ्रिल का भरपूर डोज दर्शकों के लिए इंतजार कर रहा है। चलिए जानते हैं कौन-कौन सी फिल्में और सीरीज आ रही हैं इस वीक। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हमेशा की ही तरह इस हफ्ते भी दर्शकों के लिए एंटरटेनमेंट की भरमार होने वाली है। इस पूरे हफ्ते कई नई फिल्में और वेब सीरीज, शोज रिलीज होने वाले हैं। इस सप्ताह की रिलीज में थ्रिलर, ड्रामा, रियलिटी शो और कॉमेडी की भरमार है, जो हर उम्र और रुचि के दर्शकों को आकर्षित कर सकती हैं। साल 2018 की फिल्म धड़क का आध्यात्मिक सीक्वल है और तमिल फिल्म 'पारियेरुम पेरुमल' की रीमेक है। यह फिल्म भोपाल के बैकड्रॉप में नीलेश और विधि की प्रेम कहानी को दर्शाती है, जिसमें जातिगत भेदभाव और सामाजिक चुनौती पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 26 सितंबर से देखने के लिए उपलब्ध होगी। इस बार शो का सेट जंगली जंगल से तटवर्ती क्षेत्र में बदल गया है। वरुण सूद द्वारा होस्ट किया गया यह शो महिला कंटेस्टेंट्स की साहसिक और चुनौतीपूर्ण प्रतिस्पर्धा को दिखाता है। इसमें सारा गुरपाल, साम्युक्ता हेगड़े और राखी सावंत जैसी कंटेस्टेंट्स शामिल हैं। ये शो 22 सितंबर से डिसकवरी प्लस पर देखने को मिलेगा। किच्चा सुदीप की मेजबानी में बिग बॉस कन्नड़ का यह सीजन कई रोमांचक ट्विस्ट और ड्रामे लेकर आता है। अरविंद रथान, गिली नाटा और समीर एमडी जैसे कंटेस्टेंट्स इसमें भाग ले रहे हैं। यह शो 28 सितंबर से जियोहॉटस्टार पर उपलब्ध होगा। सिक्सर सीजन 2 में निक्कू की कहानी बताई गई है, जो एक पूर्व स्ट्रिट क्रिकेट प्रोडिजी था। इस सीजन में दोस्ती, प्रतिस्पर्धा और व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एमएक्स प्लेयर पर यह सीरीज 24 सितंबर से स्ट्रीम की जाएगी। अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में जसी अपनी पूर्व पत्नी डिंपल को मनाने के लिए स्कॉटलैंड जाता है। फिल्म में पारिवारिक कॉमेडीऔर रोमांच का मिश्रण है।

आखिरी पल में हो गया 'खेल', बेघर होने के लिए यह कंटेस्टेंट्स हुए नॉमिनेट

'बिग बॉस 19' में इस हफ्ते किन-किन कंटेस्टेंट्स पर बेघर होने का खतरा बना है? कौन-कौन नॉमिनेशन में बच गया है, चलिए जानते हैं। रियलिटी शो ह्यबिग बॉस 19 अपने चौथे हफ्ते में पहुंच चुका है और हर एपिसोड में दर्शकों को नए ट्विस्ट और ड्रामे देखने को मिल रहे हैं। 24 अगस्त को शुरू हुए इस सीजन में अब तक सलमान खान चार बार ह्यवीकेंड का वार होस्ट कर चुके हैं। हर बार की तरह इस बार भी उन्होंने प्रतियोगियों की क्लास लगाई और दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस सीजन में कई नामी चेहरे घर का हिस्सा बने हैं। इनमें गौरव खन्ना, अमाल मलिक, आवेज दरबार, अशनूर कौर, मृदुल तिवारी, कुनिका सदानंद, बसीर अली, अभिषेक बजाज, तान्या मित्तल, जीशान कादरी, नेहल चुदासमा, प्रणित मोरे, फरहाना भट्ट, शहबाज बदेशा और नीलम गिरी जैसे चर्चित नाम शामिल हैं। अब तक शो से नतालिया और नगमा मिराजकर को घर से बाहर का रास्ता दिखाया

जा चुका है। नेहल चुदासमा ने चली चाल हाल ही में घर से बाहर किए गए नेहल चुदासमा का सफर भी खत्म होता दिखा था, लेकिन बिग बॉस ने हमेशा की तरह खेल को मोड़ दिया। उन्हें सीक्रेट रूम में भेज दिया गया है, जहां से वे घर की हर गतिविधि पर पैनी नजर रख रही हैं। खास बात यह है कि बिग बॉस ने उन्हें नॉमिनेशन की खास ताकत दी है। यानी इस बार कौन-कौन से घरवाले बेघर होने की रेस में आएंगे, यह फैसला पूरी तरह नेहल के हाथों में रहा। किसे-किसे मिली नॉमिनेशन की सजा? सोशल मीडिया पेज लाइवफीड अपडेट्स के मुताबिक, नेहल ने अपनी नई पावर का इस्तेमाल करते हुए इस हफ्ते जिन 6 कंटेस्टेंट्स को नॉमिनेट किया है, उनके नाम हैं- मृदुल तिवारी, आवेज दरबार, अशनूर कौर, नीलम गिरी, गौरव खन्ना और प्रणित मोरे।

अब इन 6 कंटेस्टेंट्स में से कौन इस हफ्ते के घर से बेघर होगा, चलिए जानते हैं। नेहल के अचानक से इस पावर गेम में लौटने से घर के माहौल में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। बाकी कंटेस्टेंट्स को अब तक यह पता नहीं है कि नेहल सीक्रेट रूम से उन्हें देख रही हैं। ऐसे में उनके फैसले आने वाले दिनों में कई रिश्तों और ग्रुप्स की दिशा तय कर सकते हैं। खासकर टास्क के दौरान किस टीम ने अच्छा खेला और किसने निराश किया, यह अधिकार भी नेहल को दिया गया है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि वीकेंड के वार पर सलमान खान किसे बाहर का रास्ता दिखाएंगे। क्या इस हफ्ते कोई बड़ा चेहरा घर से बाहर होगा या फिर नेहल की चाल किसी और को भारी पड़ेगी? इतना तय है कि बिग बॉस 19 का यह सीजन अभी और दिलचस्प होने वाला है।